डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 45 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> शनिवार, 14 मई, 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

कांग्रेस चिंतन शिविर के लिए क्या डॉ. किरोड़ीलाल मीणा बन गए हैं चिंता का विषय?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अपनी विद्रोही और दबंग छवि से छा जाने वाले भाजपा राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने वर्तमान राजस्थान सरकार की नाक में दम कर दिया है कि चिंतन शिविर में चिंतन करने के बजाये वो कांग्रेस सरकार की चिंता का विषय बन गए हैं। '**ऊपर से आदेश**' की तर्ज़ लिए राजस्थान पुलिस लगातार घेरा बनाये हैं किरोड़ी के इर्द-गिर्द कि कहीं किरोड़ी रोड़ा न बन जाये कांग्रेस चिंतन शिविर के आयोजन में।

सवालों की मशाल लिए डॉ. किरोड़ी निकल गए हैं सड़कों पर। कभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आवास पर धरना देने बैठ जाते हैं तो कभी उदयपुर/अलवर की सड़कों पर आम नागरिक के हक़ के लिए मैराथन की भाँति दौड़ लगा रहे हैं । शुक्रवार की प्रेस वार्ता में एक बार फिर किरोड़ी ने राजस्थान सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं-

1. उदयपुर की प्रेसवार्ता जयपुर में क्यों करनी पड़ी आपको?

उत्तर : मैं उदयपुर में कांफ्रेंस करना चाहता था क्योंकि मसले वहीं से जुड़े हैं लेकिन ऐसा करने से मुझे वहाँ पुलिस द्वारा रोका गया। वहाँ मुझे पत्रकार वार्ता नहीं करने ही नहीं दी गयी। पुलिस ने बिना कागज़ी आदेश दिखाए मुझे उदयपुर से गिरफ्तार कर दूसरी जगह छोड़ा।पूछने पर पुलिस हर बार एक ही जवाब देती है ऊपर से आदेश हैं। मैं क्या जनता भी अब जानती है कि गहलोत परिवार से उदयपुर होटल मालिक राजीव आनंद के आर्थिक संबंध हैं। जहाँ चिंतन शिविर किया जा रहा है। सोनिया गांधी और कांग्रेस अगर गरीब आदिवासियों की सच्ची सेवक है तो इस होटल में चिंतन शिविर का कार्यक्रम तुरन्त बन्द कर अन्यत्र करें।

2. आख़िर होटल अरावलीताज उदयपुर में चिंतन शिविर का विरोध क्यों कर रहे हैं आप ?

उत्तर : यह अवैध होटल है जिसकी ज़मीन आदिवासियों की जमीन है उसे हड़प कर यह होटल बनाई गयी है। और इसके अतिरिक्त कई तथ्य व सबूत हैं जिनसे यह सिद्ध होता है कि यह होटल सरकारी अनुकम्पा से खड़ी हो पाई है--

■ मुम्बई की एक कम्पनी ईंशान क्लब एण्ड होटल ने इस होटल का निर्माण किया है। राजीव आनन्द 2012 से उदयपुर में इस ज़मीन पर होटल बनाने की कोशिश कर रहे थे किन्तु यहाँ आने-जाने का रास्ता नहीं था। इसलिए प्रोजेक्ट अटका हुआ था।

■ 2014 से 2017 तक होटल निर्माण की फाइल भी लगाई, किन्तु रास्ता नहीं होने के कारण यूआईटी उदयपुर ने होटल बनाने की स्वीकृति नहीं दी।

■ इसके बाद 2015 में संभागीय आयुक्त कोर्ट ने पुराने साविक नक्शे के आधार पर इस होटल के लिए 900 हेयर पगडंडी नुमा रास्ते की अनुमति दी थी। यह स्वीकृति कानून संगत नहीं थी। क्योंकि यह रास्ता अमरजोक नदी का है, जो सिसारमा नदी में मिलती है। इसका पानी पिछोला झील में जाता है। इस प्रकार संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर ने होटल व्यवसायी आनंद को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से नदी में रास्ता देकर नियम विरूद्ध आदेश पारित कर दिया ।

■ इस रास्ते की तहसीलदार गिर्वा ने 2015 में एक रिपोर्ट दी थी कि यह रास्ता पगडंडीनुमा है। नदी में पानी नहीं बहने की स्थिति में गांव वाले आने जाने के लिए इसका उपयोग करते हैं। 2017 में यूआईटी उदयपुर के सचिव रामनिवास मेहता ने भी इस होटल के भूमि रूपांतरण के लिए मना कर दिया था। बीच में नदी, वन विभाग और सरकारी भूमि होने के कारण होटल को रास्ता नहीं मिलने के कारण निर्माण की यूआईटी की ओर से स्वीकृति दिया जाना संभव ही नहीं था।

■ उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से अब्दुल रहमान बनाम राज्य के प्रकरण में दिए गए निर्णय की पालना में जिस भू-भाग पर पानी बहता है, उस पर से पानी के बहाव को अवरूद्ध नहीं करना है।

■ राजस्थान नगरीय क्षेत्र (यदि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए) आयोग की अनुज्ञा और आवंटन नियम 2012 नियम के उपनियम-12 'भूमि जल निकायों, या डीलों, जलाशयों जलमग्नता के अधीन आने वाली भूमि को सम्मिलित करते हुए बांध और तालाब या नदी या नाले या झील इत्यादि के बहाब क्षेत्र की भूमि के कृषि भूमि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं भूमि आवंटन का निर्बम्धन है।

■ 2018 में सरकार बदलने के साथ ही 2019 में ईशान क्लब के होटल मालिक ने पुनः एक साधारण एप्लीकेशन लगाते हुए संभागीय आयुक्त कोर्ट के 2015 के आदेश का हवाला देते हुए रूपांतरण के लिए आवेदन किया।

■ जब 2017 में यूआईटी सचिव ने भूमि रूपांतरण की स्वीकृति नहीं दी तो 2015 को संभागीय आयुक्त ने एक आदेश की आड़ में सरकार ने स्वीकृति किस आधार पर दी समझ से बाहर है। होटल निर्माण की फाइल प्रकिया के तहत लगनी चाहिए थी।

■ मुख्यमंत्री कार्यालय ने सारी प्रकियाओं को ताक में रखकर होटल निर्माण की अनुमति प्रदान करा दी, इसमें मुख्यमंत्री के ओएसडी की अहम भूमिका रही। इससे स्पष्ट है कि इस होटल के गहलोत परिवार के आर्थिक सम्बन्ध है। यह रास्ता जो चौड़ा करके बनाया है, वह होटल के राजस्व रिकार्ड में अब भी दर्ज नहीं है। आज भी यह नदी है।

■ उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी सारे कानूनों को ताक में रखकर सीएमओ के निर्देश के बाद यूआईटी सचिव उज्जवल राठौड़ ने 2019 में गैर कानूनी रूप से नदी मार्ग का होटल निर्माण के लिए भूमि का रूपांतरण कर दिया।

■ इस होटल से पीछे जुड़ती हुई बिलानाम (सरकारी) भूमि पर होटल मालिक ने अतिक्रमण कर लिया। जबकि यहां गोगमाल गांव का बोजडा नाका नाई पर वन विभाग सालों से वृक्षारोपण कर रहा था। उन सारे पेड़ों को होटल मालिक ने काट दिया और जमीन को अपने कब्जे में होटल का विस्तार कर दिया।

■ 250 करोड की होटल का नक्शा होटल मालिक ने गैर कानूनी रूप से सम्बन्धित ग्राम पंचायत से 2012 में पास करवाया। 2012 से 2014 तक कोई निर्माण नहीं कराए जाने के कारण ग्राम पंचायत की स्वीकृति का आदेश स्वतः ही निष्प्रभावी हो गया। वैसे अकेली ग्राम पंचायत इतनी बडी होटल के निर्माण की स्वीकृति के लिए अधिकृत नहीं थी। इसके लिए एक कमेटी निर्णय करती है। 2014 में यह क्षेत्र उदयपुर के पैराफेरी एरिया में आ गया। होटल का नक्शा वैध नहीं है फिर भी होटल का निर्माण करा दिया गया।

ख़बर-बेख़बर

किरोड़ीलाल मीणा पर लगातार पुलिस की घेराबंदी 'ऊपर के मौखिक आदेशों' पर ?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अलवर रेप का मामला हो या 300 साल पुराने मन्दिर को ध्वस्त करने का जघन्य अपराध। जोधपुर गैंगरेप हो या राजस्थान के किसी भी क्षेत्र में दुर्घटना घटी हो भाजपा सांसद डॉ.किरोड़ी लाल हर जगह उपस्थित होकर पीड़ितों का सम्बल बन जाते हैं। राजनैतिक गलियारों में हवा है कि मुख्यमंत्री का ताज उनके सर पर सजाया जा सकता है तो क्या डॉ किरोड़ीलाल एक चुनौती बन गए हैं विपक्ष सरकार के लिए।

या यूँ कहें कि इस उम्र में भी दिलेरी और दबंगता से अपनी राजनैतिक ज़िम्मेदारी के साथ-साथ जनता की आस बन रहे हैं डॉ. किरोड़ीलाल मीणा।

■ उदयपुर पुलिस ने भाजपा सांसद डॉ.किरोड़ी लाल मीणा को उदयपुर के एक होटल में नज़रबंद कर दिया क्योंकि 13 मई से उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर शुरू हो रहे थे। डॉ. मीणा ने पुलिस अधिकारियों को खरीखोटी भी सुनाई। उन्हें नज़रबंद करने या उन पर पाबंदी लगाने के आदेश भी मांगे लेकिन सर झुकाए पुलिस के आलाधिकारी उनके इर्द-गिर्द खड़े रहे।मीणा ने पुलिस के रवैय्ये पर प्रश्न खड़े किए और खुले व गरजते शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत सरकार के इशारे पर हर तरफ़ पुलिस उनके साथ इस तरह का रवैया अपना रही है।

■ उदयपुर में नजरबंद रहने के बाद कड़ी पुलिस निगरानी में डॉ.मीणा देर शाम अजमेर पहुंचे।अचानक वह अपनी गाड़ी से उतरे और दौड़ लगाना शुरू कर दिया। यह नाटकीयता कहीं पब्लिक तक अपनी बात पहुँचाने के लिए तो नहीं अपनायी थी डॉ किरोड़ी ने?

इसी दौरान आसपास बनी मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. मीणा ने कहा कि राजस्थान सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उनके मौलिक अधिकार को भी छीना जा रहा है। आदिवासी लोगों पर अत्याचार हो रहे हैं। बेटियों के साथ रेप की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके ख़िलाफ़ आवाज उठाने के कारण ही उन्हें पुलिस निगरानी में रखा जा रहा है।

■ राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट गोवर्धन सिंह की इसी तरह घेराबंदी कर गिरफ्तारी के संदर्भ में डॉ किरोड़ी ने कहा कि वह लगातार सबूतों और तथ्यों के आधार पर सरकार के ख़िलाफ़ मोर्चा खड़ा कर रहा है और इस वक़्त सरकार ने पुलिस को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है अतः यह तो होना ही था। मैं गोवर्धन सिंह को ज़्यादा नहीं जानता मगर उसके द्वारा उठाये मुद्दों में दम है चाहे वो अलवर रेप का मामला हो या जोधपुर गैंगरेप का मामला वो इन मुद्दों को लेकर मुझसे मिला था।

■ पुलिस की वर्तमान कार्यशैली पर डॉ किरोड़ी ने लगातार प्रश्न उठाये और कहा कि लोकतंत्र की हत्या के साथ-साथ आम नागरिकों के हक़ का हनन लगातार हो रहा है। मैं एक सांसद हूँ जब मुझे इतना सताया जा सकता है तो आम जनता की हालत आप सोच सकते हैं?

कुछ यक्ष प्रश्न...

- ऊपर के आदेशों का हवाला देकर क्या एक आम या ख़ास आदमी को उसकी स्वतंत्रता से दूर किया जा सकता है?
- क्या अभिव्यक्ति का अधिकार कहीं न कहीं दम तोड़ रहा है सत्ता के गलियारों में?
- सत्ता में सरकार कोई भी हो लेकिन उसे संविधान में दिए गए नागरिकों के मौलिक अधिकारों से वंचित करने का अधिकार नहीं मिलता।
- चुनावी त्यौहार सिर पर है ऐसे में सत्ता में बैठी सरकार को अपनी रीति,नीति व कार्यशैली पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि जनता अब आम नहीं ख़ास हो गयी है जो दिव्य दृष्टि रखती है और दिमाग़ भी रखती है।
- अब जागने का समय है वर्तमान सरकार क्यों गहरी नींद में सोई है कि उसे जिस वक्त जनता का विश्वास जीतना चाहिए वह विश्वास खो रही है।

■ शालिनी श्रीवास्तव

कांग्रेस नव संकल्प शिविर का आगाज़.... कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी बोलीं...

अल्पसंख्यकों को दबाकर नफरत फैला रही भाजपा

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। कांग्रेस का तीन दिवसीय नव संकल्प चिंतन शिविर शुक्रवार से राजस्थान के उदयपुर में शुरू हो गया है। कांग्रेस का शिविर 15 मई तक चलेगा। चुनाव में लगातार हार का सामना कर रही पार्टी अपनी पुनर्संरचना और ध्रुवीकरण की राजनीति का मुकाबला करने के लिए रणनीति बनाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के देशभर के 400 बड़े नेता इसमें शामिल हुए हैं। सोनिया गांधी ने नव संकल्प शिविर के पहले दिन कांग्रेस नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। सोनिया गांधी ने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार नफरत फैला कर अल्पसंख्यकों को दबा रही है। कांग्रेस का नव संकल्प शिविर कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के संबोधन के साथ शुरू हुआ। सोनिया गांधी ने आज अपने संबोधन में आरएसएस और भाजपा की गलत नीतियों के ऊपर जमकर प्रहार किया। साथ ही जानबूझकर देश के अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस देश को एक स्थाई ध्रुवीकरण की स्थिति में ले आई है। जबकि अल्पसंख्यक हमारे देश के महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें भी समान नागरिकता के अधिकार मिले हुए हैं।

एकता और परंपरा पर चोट: गांधी ने कहा कि इसका मतलब है कि जानबूझकर देश के अल्पसंख्यक लोगों को टारगेट किया जा रहा है और उनके साथ बर्बरता की जा रही है। ऐसा कर हमारे समाज की सदियों से चली आ रही परंपराओं और एकता पर चोट की जा रही है। आज देश में हालात यह हैं कि राजनीतिक विरोधियों को एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए डराया धमकाया जा रहा है। एजेंसी का दुरुपयोग कर उनकी प्रतिष्ठा खराब की जा रही है और उन्हें जेल में डाला जा रहा है।

कांग्रेस समाज का विभाजन करने वाले वायरस से लड़ेगी: देश में इतिहास को अब दोबारा से नए तरीके से लिखने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं के कामों को नकार कर उनके देश के लिए किए गए सैक्रिफाइस और कंट्रीब्यूशन को भुलाया जा रहा है। यह सारा काम महात्मा गांधी के हत्यारों को गौरवान्वित करने के लिए किया जा रहा है। हमारे देश के संविधान में समानता, लोकतंत्र समानता और बराबरी के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। देश मे कमजोर, दलित, आदिवासी महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। देश मे डराने धमकाने की राजनीति हो रही है और इसी डर का इस्तेमाल कर भाजपा लगातार ब्यूरोक्रेसी, सोल सोसाइटी और मीडिया के एक सेक्शन को डराने का कर रही है। इतना बड़ा बहुमत पाने वाले प्रधानमंत्री को देश को एकता अखंडता से रखना था, हम हर हाल में इनके खिलाफ लड़ेंगे। भाजपा देश में शांति और भाईचारे को नुकसान पहुंचा रही है और लगातार लोगों को भड़का रही है। लेकिन कांग्रेस को इस समाज का विभाजन करने वाले इस वायरस से लड़ना है।

गांधी ने कहा कि अब तक यह पूरी तरह से और दर्दनाक रूप से स्पष्ट हो गया है कि पीएम मोदी और उनके सहयोगियों का वास्तव में उनके नारे 'अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार' से क्या मतलब है? इसका अर्थ है कि देश को ध्रुवीकरण की स्थायी स्थिति में रखना, लोगों को लगातार भय और असुरक्षा की स्थिति में रहने के लिए मजबूर करना, अल्पसंख्यकों को शातिर तरीके से निशाना बनाना और उन पर अत्याचार करना जो हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं और हमारे देश के समान नागरिक हैं।

अब क़र्ज उतारने की ज़रूरत: सोनिया गांधी ने कहा कि हम विशाल प्रयासों से ही बदलाव ला सकते हैं, हमे निजी अपेक्षा को संगठन की जरूरतों के अधीन रखना होगा। पार्टी ने बहुत दिया है। अब कर्ज उतारने की जरूरत है। एक बार फिर से साहस का परिचय देने की जरूरत है। हर संगठन को जीवित रहने के लिए परिवर्तन लाने की जरूरत होती है। हमें सुधारों की सख्त जरुरत है।

भाजपा की गलत नीतियों से जनता को नुकसान

सोनिया गांधी ने कहा कि आरएसएस और भाजपा की गलत नीतियों के चलते जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि हमारे संगठन के सामने यह नया टास्क है कि हम न केवल राष्ट्रीय मुद्दों को समझें बल्कि साथ ही हमारे संगठन को लेकर सार्थक आत्मा चिंतन भी करें। सोनिया गांधी ने इस बात का भी दुख जताया कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके साथी लगातार 'मैक्सिमम गवर्नेंस और मिनिमम गवर्नमेंट' के फॉर्मूले पर काम कर रहे हैं। जिसका मतलब है कि देश को मोदी सरकार ने स्थाई पोलराइजेशन की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है, जो लोगों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा कर रहा है।

ज़मीनी कार्यकर्ताओं को इनाम, नाकारों को सजा और परिवारवाद से दूरी

उदयपुर। कांग्रेस नवसंकल्प शिविर का आगाज हो चुका है। गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्यों के साथ कांग्रेस के तमाम नेता उदयपुर पहुंच चुके हैं। पहले दिन कांग्रेस के महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन होने जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने नवसंकल्प शिविर में किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, उसके बारे में भी बताया।

संगठन में होंगे बड़े बदलाव: होटल अरावली ताज में कांग्रेस नेता माकन ने बताया कि संगठन को लेकर बने कांग्रेस के पैनल ने पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन के लिए सुझाव दिए हैं। उन पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी के ढांचे में अब तक वही पद चले आ रहे थे जो सालों पहले थे। लेकिन अब उसमें बूथ लेवल से लेकर ऊपर तक बदलाव किया जा रहा है। कुछ चीजें हमारे संविधान में पहले से थी, लेकिन उनको अमल में नहीं लाया जा सका।

पैराशूट नेताओं की नो एंट्री: माकन ने कहा कि पार्टी एक परिवार एक टिकट के फॉर्मूले पर काम करेगी। किसी भी नेता का रिश्तेदार, बेटा या बेटी को टिकट तभी मिल सकेगा, जब तक कि वे पांच साल पार्टी में काम नहीं करेंगे। यानी पैराशूट से कोई नेता नहीं उतारा जाएगा।

अब बूथ और ब्लॉक के बीच होंगे मंडल: भाजपा की तरह ही अब कांग्रेस में भी मंडलों का गठन किया जाएगा। हर पंद्रह बीस बूथों पर एक मंडल होगा। तीन से चार मंडलों पर एक ब्लॉक का गठन किया जाएगा। इसके गठन के लिए भी एक प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

परमानेंट सर्वे डिपार्टमेंट बनाएंगे : माकन ने बताया कि अक्सर चुनाव के समय ही हम कुछ प्राइवेट एजेंसी से सर्वे करवाते रहे हैं। लेकिन अब तय किया गया है कि कांग्रेस का इंटरनल पब्लिक इनसाइड डिपार्टमेंट होगा। इस डिपार्टमेंट में शामिल लोग लगातार जनता के बीच फीडबैक लेंगे। जनता किन मुद्दों पर क्या चर्चा कर रही है, उसके आधार पर चुनावी रणनीति तैयार की जाएगी।

रिवार्ड और सजा का प्लान: माकन ने कहा कि जो कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं, उनको रिवार्ड नहीं दिया जाता है और जो काम नहीं कर रहे हैं या खराब काम कर रहे हैं, उन्हें सजा नहीं मिलती है। इसको लेकर कांग्रेस में असेस्टमेंट विंग बनाने का सुझाव है। यह विंग तय करेगी कि कौन कार्यकर्ता बेहतर काम कर रहा है और उसका क्या रिवॉर्ड देना चाहिए? जो लोग खराब काम या पार्टी के विरोध में काम करेंगे, उन्हें सजा का प्रावधान किया जाएगा।

अनुशासन को मजबूत करेंगे: कांग्रेस के नेता माकन ने कहा कि हम पार्टी में अनुशासन को और मजबूत करेंगे। इसके लिए हर स्तर पर अनुशासन कमेटी बनेगी। शिविर में इस पर चर्चा की जाएगी।

युवाओं को मौका: माकन ने बताया कि चिंतन शिविर में जो कमेटियां गठित की गई है, उनमें पचास प्रतिशत लोग 50 साल से कम उम्र के हैं। आगे भी इसको लागू रखा जाएगा।

पदों पर नियुक्ति: कोई भी व्यक्ति पांच साल से अधिक किसी एक पद पर नहीं रह सकेगा। इन पदाधिकारियों को अपनी परफार्मेंस देनी होगी। अच्छा काम नहीं करने पर उन्हें तीन साल तक पद से मुक्त रखा जाएगा। पार्टी में काम करने पर आगे मौका दिया जाएगा।

महिलाओं पर फोकस: कांग्रेस महिला वोटर्स पर भी फोकस करने की तैयारी में है।

यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी ने प्रियंका गांधी के नेतृत्व में इसी रणनीति पर काम किया था। अब इसे आगे भी लागू रखा जाएगा।

संपादकीय

तमाम चुनौतियों और उम्मीदों के बीच आशा की कुछ किरणें जगमगा रही

वैश्विक महामारी कोविड के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष जो चुनौतियां बढ़ाई हैं, उनसे भारत भी अछूता नहीं है। महामारी के बाद आर्थिक मोर्चे पर हो रहे सुधार की रफ्तार पर इस युद्ध ने एक तरह से ब्रेक लगाने का काम किया है। आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करने से अधिक इसने महंगाई की आग को भड़काने का काम किया है। केवल खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर ईंधन के दाम ही नहीं, बल्कि कोर इनफ्लेशन यानी समग्र मुद्रास्फीति में तेजी का रुझान दिख रहा है। कच्चे माल की लागत बढने से तमाम कंपनियों को उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा। युद्ध के कारण कोयले और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने का असर देश के तमाम इलाकों में बिजली संकट के रूप में देखने को मिल रहा है। तपती गर्मी के दौर में बिजली की किल्लत से लोग परेशान हैं। इस युद्ध ने आर्थिक मोर्चे पर समस्याएं बढ़ाने से लेकर आम जनजीवन पर भी प्रतिकूल असर डाला है।

वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था जिन चुनौतियों से दो-चार है, उनमें महंगाई सर्वप्रमुख है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि महंगाई गरीब आदमी पर सबसे ज्यादा असर डालती है। चूंकि गरीबों की आमदनी का एक बड़ा हिस्सा रोजमर्रा की जरूरतों खासकर खानपान पर खर्च होता है तो खाद्य महंगाई बढ़ने से उनकी बचत में सेंध लगती है। बुनियादी जरूरतों की पूर्ति के बाद उनके पास डिस्पोजेबल इनकम यानी अन्य मदों में खर्च करने के लिए उतनी राशि शेष नहीं रह जाती है। महंगाई की इस विकराल होती समस्या का ही असर है कि केंद्रीय बैंक और सरकार दोनों

स्तरों पर प्रयास शुरू हो गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में ब्याज दरें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। इस संकेत को समझते हुए कुछ बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाना भी शुरू कर दिया है। वहीं केंद्र सरकार ने मुफ्त राशन योजना की अवधि को और आगे बढ़ा दिया है, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इन कदमों से राजकोषीय गणित का बिगडना तय है, क्योंकि सरकारी खजाने पर खाद्य सब्सिडी का बोझ और बढ़ेगा। इसी स्थिति में सरकार को उर्वरक सब्सिडी में भी दोगुनी बढ़ोतरी करनी पड़ी है।

इस समय महंगाई केवल भारत की समस्या नहीं है। पूरी दुनिया इससे जूझ रही है। यहां तक कि पश्चिम के जो देश मुद्रास्फीति के लिए अधिकतम दो प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित करते थे, वहां भी वह इस दायरे से बाहर निकलती दिख रही है। इन स्थितियों के कारण ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नरम ब्याज दरों की नीति को तिलांजलि देने से अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के दौर की वापसी होती दिख रही है। इसका असर भारत समेत दुनिया भर की उभरती हुई अर्थव्यवस्था पर देखने को मिल सकता है। अमेरिका में ब्याज दरें बढने से विदेशी संस्थागत निवेशक इन बाजारों से पूंजी समेटकर वापस अमेरिका में लगाएंगे, जो उनके लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित दांव होगा। इससे भारत समेत अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बाजारों से पूंजी का पलायन देखने को मिल सकता है। इससे निवेशकों की धारणा भी प्रभावित हो सकती है। 2013 में भी ऐसे हालात बने थे, लेकिन तब की तुलना में अब अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी के कारण हम ऐसी किसी स्थिति से निपटने के लिहाज से बेहतर स्थिति में हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महंगाई और सुस्त आर्थिक वृद्धि का असर वैश्विक मांग पर भी पड़ सकता है। इससे भारत से होने वाले निर्यात पर भी कुछ मार पड़ सकती है। पिछले कुछ महीनों से निर्यात के मोर्चे पर तेजी का जो दौर जारी है, उसके शिथिल पडने की आशंका है। वहीं चीन में कोविड के फिर से सिर उठाने से इकोनामिक रिकवरी बाधित होने की आशंका है। इसका कारण चीन की 'जीरो कोविड पालिसी' है। चूंकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला अभी भी चीन केंद्रित है इसलिए वहां आर्थिक गतिविधियों के सुस्त पडने से वैश्विक उत्पादन श्रृंखला पर असर पडना तय है। इस प्रकार देखा जाए तो पूरा विश्व और भारत इस समय बहुस्तरीय आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ऐसे मुश्किल माहौल में भी कुछ सकारात्मक संकेत दिखते हैं। पहला यह कि सरकार के कर राजस्व में ठीक-ठाक बढ़ोतरी हो रही है। अप्रैल में रिकार्ड 1.68 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ। हालांकि इसका कुछ संबंध बढ़ती हुई महंगाई से भी है, क्योंकि वस्तुओं एवं सेवाओं के दाम बढने से उन पर कर भी उसी अनुपात में बढ़ेगा। दूसरा सकारात्मक पहलू यह है कि कोविड महामारी के बाद बाजार में बहुत तेजी से सुधार हो रहा है। खासतौर से जिन सेवाओं पर कोविड की सबसे अधिक गाज गिरी थी, उनकी स्थितियों में सुधार देखने को मिल रहा है। होटल, विमानन, रेस्तरां और सिनेमा जैसी तमाम सेवाओं में कोरोना काल के दौरान जो भारी गिरावट आई थी, वे अब तेजी के रथ पर सवार हैं। इन मोर्चे पर आई गिरावट ने शहरों में गरीबी बढ़ाने का काम किया था, क्योंकि ये सेवाएं मुख्य रूप से शहर केंद्रित हैं। तब हालात इतने विकट हो गए थे कि शहरों से गांवों की ओर बड़े पैमाने पर पलायन हुआ था, लेकिन अब स्थिति खासी सुधर गई है।

गूगल रिटेल मोबिलिटी डाटा के अनुसार कोरोना की पहली लहर में तकरीबन 86 प्रतिशत लोग घर से बाहर नहीं निकल रहे थे। वहीं दूसरी प्रलयंकारी लहर के दौरान यह आंकड़ा बढने के बजाय घटकर 66 प्रतिशत ही रहा और इस साल जनवरी में आई तीसरी लहर के समय केवल 15 प्रतिशत। यह स्पष्ट संकेत करता है कि लोगों की आवाजाही बढ़ रही है और उन्होंने कोविड के साथ समायोजन सीख लिया है। इससे भी अच्छी बात यह है कि कोरोना की किसी नई लहर से बड़े नुकसान की आशंका नहीं रह गई है। इसकी एक बड़ी वजह सफल एवं व्यापक स्तर पर किया गया टीकाकरण कार्यक्रम है, जिसने कोविड के मामले में देश को आवश्यक प्रतिरोध प्रदान किया है।

स्टाइल के साथ कलर देगा ठंडक का एहसास

FASHION जोन

जैसे-जैसे धूप तेज हो रही है वैसे-वैसे गर्मी बेचैन करती जा रही है. समर में सुकून के लिए कपड़ों पर ध्यान देना जरूरी है, खासकर कलर पर. गर्मियों में हमेशा ऐसे कलर पहनने को तरजीह देना चाहिए जो ठंडक का एहसास दें. इससे गर्मी तो कम लगती ही है, पसीना भी जल्दी सूख जाता है. गर्मियों में सफेद, ग्रीन, मिन्ट ग्रीन, हल्का पीला, लाइट ब्लू और पिंक कलर न सिर्फ आपको अट्रैक्टिव लुक प्रदान करते हैं, बल्कि गर्मी की बेचैनी से भी बचाते हैं.

पहनें हल्के रंग के कपड़े

सफेद रंग गर्मियों का सबसे पसंदीदा रंग है. गर्मियों के मौसम में अपने वार्डरोब को सफेद रंग से सुसजित करना चाहिए. क्योंकि यह धूप में चुभता नहीं है और सफेद रंग की ड्रेस चाहे वह शॉर्ट हो या लांग, नये फैशन ट्रेंड में सब हिट हैं. अनारकली, लखनवी सूट, साड़ी, शॉर्ट, ट्राउजर और मैक्सी ड्रेस आजकल सफेद रंग में ये सभी न केवल अपनी जगह बहुत अच्छी तरह से बना चुके हैं बल्कि सफेद साड़ियां तो आजकल कारपोरेट पार्टियों में भी पहनी जाने लगी हैं. गर्मी में हल्के रंग पहनना सिर्फ ट्रेंड या फैशन की ही बात नहीं होती, विज्ञान भी इसके पक्ष में है कि सर्दियों में गाढ़े रंग के और गर्मियों में हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए. इसीलिए गर्मियों में कोई अनोखी शख्सियत ही आपको टकराएगी, जो सुर्ख लाल या बिल्कुल काला सूट पहने हुए मिले. विज्ञान के मुताबिक गर्मियों में हमेशा हल्के रंग के कपड़े इसलिए पहनना चाहिए क्योंकि वे प्रकाश को परावर्तित कर देते हैं इस कारण उनकी गर्माहट कम हो जाती है. जबकि गहरे रंग के कपड़े प्रकाश को अपने में जज्ब कर लेते हैं यानी सोख लेते हैं, इसलिए गहरे रंग के कपड़े गर्मियों में शरीर में बहुत चुभते हैं, उससे गर्मी ज्यादा लगती है.

फ्लोरल प्रिंट जंचेगा

अगर आपको फ्लोरल प्रिंट पहनना पसंद हो तो गर्मियों में भी ये ट्राई किए जा सकते हैं, हालांकि लोग आमतौर पर फ्लोरल प्रिंट बरसात के मौसम में पहनना पसंद करते हैं लेकिन फ्लोरल प्रिंट कूल लुक देता है और लाइट कलर में होने के कारण इन दिनों आंखों को भाता है. इसलिए गर्मियों में इन्हें आजमा सकते हैं.

वेडिंग में पहनें ऑलिव ग्रीन, पिंक और पेस्टल

अगर गर्मियों में किसी वेडिंग पार्टी में जाना हो और हैवी ड्रेस कैरी करना हो तो वाकई थोड़ा मुश्किल होता है. फिर भी कलर पर ध्यान दें तो कुछ राहत तो मिलती ही है. इस दौरान ऑलिव ग्रीन, पिंक और पेस्टल कलर पहनना समझदारी होती है. लंहगा चोली भी यूं तो कंफर्टेबल है, लेकिन साड़ी में यदि आप ज्यादा सहज हों तो बेहतर है कि साड़ियां ही चुनें.

इवनिंग पार्टी में जंचेगा गोल्ड या सिल्वर

अगर ऑफिस के दोस्तों की या किसी परिजन के यहां इवनिंग पार्टी में शामिल होना हो तो इन दिनों गोल्ड या सिल्वर रंग को तरजीह दें. ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस या मैक्सी ड्रेस कैरी करना ज्यादा आकर्षक रहेगा.

चुस्त और टाइट फिटेड बिल्कुल नहीं

कलर के साथ गर्मियों में इस बात का भी ख्याल रखें कि जो भी ड्रेस पहनें, वह कंफर्टेबल हो. चुस्त और टाइट फिटेड कपड़ों को इन दिनों अवॉइड करें. कंफर्टेबल ड्रेस से गर्मी में सुकून मिलता है. कॉटन टी-शर्ट, प्लाजो, लांग कुर्ती, प्लेटेड स्कर्ट और सफेद शर्ट इस दौरान आरामदेह ड्रेस के रूप में बढ़िया ऑप्शन होती हैं.

INTERIOR जोन

अक्सर देखा जाता है कि लोग इंटीरियर करवाते वक्त फ्लोर और दीवार के लुक पर तो फोकस करते हैं पर सीलिंग पर ध्यान देना भूल जाते हैं, जबकि छत रूम के ओवरऑल लुक और माहौल को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

गर्मी रोकेगी फॉल्स सीलिंग

वास्तव में यह कमरे का वह हिस्सा होती है जो ओवरऑल लुक को यूनीक, एलिगेंट टच देते हुए उसे शानदार बनाने में मदद करती है इसलिए आजकल ज्यादातर लोग डिजाइनर फॉल्स सीलिंग को चुनने लगे हैं. फॉल्स सीलिंग से गर्मियों में कमरा ठंडा रहता है और सर्दियों में गर्म. रूफ सीलिंग और फॉल्स सीलिंग के बीच की जगह में मौजूद हवा बहुत बढ़िया इसुंलेशन देती है. अगर छत के निचली तरफ 12एमएम से 20एमएम मोटी पोलीस्ट्रिन शीट लगा दें तो ज्यादा असरदार इसुंलेशन होती है.

ऊंचाई

असली छत व फॉल्स सीलिंग के बीच में फासला होता है, यह छत को नहीं छूती. फाल्स सीलिंग से कुछ चीजों को छुपाना होता है. उन चीजों का आकार और छत की ऊंचाई आदि देखकर फाल्स सीलिंग लगवाई जाती है. आमतौर पर गैप 6-15 इंच के बीच होता है. फ्लैट व अपार्टमेंट में कमरे की ऊंचाई 10 फुट तक होती है. ऐसे में सीलिंग गैप 6 इंच रहता है.

कंसील्ड लाइट

फॉल्स सीलिंग से इंटीरियर की सुंदरता निखर जाती है. कमरे की छत में कलात्मक, ज्यामितीय और आकर्षक डिजाइन बनते हैं. कई बार तो विजिटर प्रशंसा किए बिना नहीं रहते. फॉल्स सीलिंग में कंसील्ड लाइट लगाना भी आसान है. एलईडी लाइट का तालमेल फॉल्स सीलिंग के साथ अच्छा बनता है. ध्यान रखने की बात है कि फॉल्स सीलिंग में इस्तेमाल कलर व डिजाइन ज्यादा भड़कीले न हों.

लिविंग रूम

लिविंग रूम को और खूबसूरत बनाने के लिए सीलिंग के अलग-अलग आकार के साथ प्रयोग कर सकते हैं. अगर आपका कमरा 12x12 वर्गफीट का है और आपके घर की फॉल्स सीलिंग वास्तविक सीलिंग से एक फुट नीचे है तो यह आपके 12x12x1 क्यूबिक स्पेस को कवर कर लेगी. फॉल्स सीलिंग की मदद से किसी भी घर को किसी भी मूड या थीम के अनुकूल बनाया जा सकता है. ये फॉल्स सीलिंग जिप्सम से बनी होती है, जिसे दो दशकों तक सामान्य तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है. यह लगाने में आसान होती है और तरह-तरह के डिजाइनों में आती हैं.

समर में फॉलो करें डाइट प्लान

DIET मैजिक

गर्मियों में खुद को फिट और एनर्जेटिक रखना काफी मुश्किल हो जाता है. गर्मियों के दौरान होने वाली स्वेटिंग और बेचैनी से आपका खाना खाने का मन भी नहीं करता. कई बार तो गर्मी के कारण आप पूरे दिन खाना नहीं खा पाते हैं और इससे आपकी सेहत बिगड़ सकती है. गर्मियों में आपको खुद को हाइड्रेट और कूल रखना बहुत जरूरी होता है. ऐसे में अगर आप थोड़ी भी लापरवाही करते हैं तो ये आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. इससे आपके शरीर में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, सनबर्न और रैशेज की समस्या हो सकती है. सही डाइट का पालन न करने पर इंफ्केशन और यूरिन में जलन की दिक्कत भी हो सकती है. सनबर्न के कारण आपकी त्वचा में खुजली और लाल चकत्ते हो सकते हैं. इन सबसे बचने के लिए आप खुद को हाइड्रेट रखने के अलावा एक अच्छी डाइट की मदद से भी इन समस्याओं से बच सकते हैं.

ब्रेकफास्ट

- सुबह चाय की जगह जीरा-पानी पी सकते हैं. इससे शरीर को ठंडक मिलती है.
- शरीर को डिटॉक्स करने के लिए आप आंवला जूस या एलोवेरा जूस वॉटर पी सकते हैं. इससे शरीर की गर्मी और तापमान को बनाए रखने में मदद मिलती है.
- चाहें तो गर्मियों की सुबह में जौ का पानी भी पी सकते हैं. यह भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है और पाचन संबंधी समस्याओं के लिए भी काफी अच्छा होता है.
- गर्मियों में आप ब्रेकफास्ट में इडली, डोसा या चिला खा सकते हैं. इसके साथ आप कीवी स्मूदी या तरबूज से बनी स्मूदी ले सकते हैं. इसके अलावा आप नाश्ते में पोहा या उपमा भी खा सकते हैं. इसके साथ आप छाछ ले सकते हैं. नारियल पानी भी गर्मियों में फायदेमंद होता है.

लंच रखें सुपरकूल

- दोपहर के खाने में मौसमी सब्जियां, रोटी और दाल शामिल कर सकते हैं. दरअसल गर्मियों में जितनी भी मौसमी सब्जियां होती हैं, उनमें पानी की मात्रा भरपूर होती है. जैसे कद्दू, भिंडी, टिंडा, करेला और तोरई खा सकते हैं. इसके अलावा आप आम पन्ना या नारियल पानी मिड मार्निंग में ले सकते हैं.
- अगर आप कुछ हल्का खाना दोपहर के खाने में लेना चाहते हैं तो आप खिचड़ी और दलिया खा सकते हैं. साथ में आप सब्जियों से बना सलाद भी ले सकते हैं. इसके अलावा दोपहर के खाने में फल, सलाद या जूस भी ले सकते हैं. रायता या दही से बनी स्मूदी ले सकते हैं.

शाम के स्नैक्स में हो कुछ टेस्टी

- शाम के स्नैक्स में आपको ऑइली और जंक फूड की जगह कुछ हेल्दी स्नैक्स का सेवन करना चाहिए. इसके लिए आप चना चाट या स्प्राउट चाट भी खा सकते हैं. साथ में आप कुछ शरबत का जूस पी सकते हैं.

डिनर में शामिल करें हेल्दी चीजें

- गर्मियों की रात भी लोगों को काफी बेचैन कर देती है. इस दौरान आपको हल्का भोजन लेना चाहिए ताकि इसका अच्छे से पाचन हो सके. इसके अलावा आपको रात का खाना सोने से 3 घंटे पहले खा लेना चाहिए.

TODAY'S रेसिपी

आलू टुक

सामग्री- छोटे आलू- 750 ग्राम, नमक- स्वादानुसार, तेल- फ्राई करने के लिए, धनिया पाउडर- 1/4 टीस्पून, हल्दी पाउडर- 1/4 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1/4 टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1/4 टीस्पून, जीरा पाउडर- 1/4 टीस्पून, काला नमक- 1/4 टीस्पून

विधि- आलू को छीलकर धो लें. एक बर्तन में पानी डालें, इसमें आलू और 2 चम्मच नमक डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें. गैस पर कड़ाही गर्म होने के लिए चढ़ा दें. इसमें आलू को 2 मिनट तक तेज आंच पर फ्राई करें. इसके बाद गैस की आंच धीमी कर आलू को अच्छी तरह अंदर से पकने तक फ्राई करेंगे. फोर्क या चाकू की मदद से आप बीच-बीच में देख सकती हैं कि आलू पके हैं या नहीं. इन्हें पकने के बाद प्लेट में निकाल लें. आलू को मैशर की मदद से हल्का प्रेस करें. पूरी तरह मैश नहीं करना है.

- एक बार फिर से इन्हें गरम तेल में सुनहरा होने तक तल लें. प्लेट में निकालें. ऊपर से सारे मसाले छिड़कें, मिक्स करें और गरमा-गर्म सर्व करें. चाय के साथ तो सर्व करने के लिए ये स्नैक्स बेस्ट है ही लेकिन इसे आप चावल-दाल, रोटी-सब्जी के साथ भी साइड डिश की तरह सर्व कर सकते हैं.

मैक्सिकन राइस

सामग्री - 2 कप चावल उबले हुए, 1 टेबलस्पून घी, 1 टेबलस्पून बटर, 1 टेबलस्पून लहसुन बारीक कटा हुआ, 1 प्याज कटा हुआ, आधा कप टोमैटो प्यूरी, स्वादानुसार नमक, 1 टीस्पून रेड चिली पाउडर, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून जीरा पाउडर, 2 टीस्पून ऑरगेनो, 2 टीस्पून रेड चिली फ्लेक्स, 1 टेबलस्पून टोमैटो केचअप, 1 हैलपीन्यो गोल कटी हुई, आधा कप स्वीट कॉर्न, 1 कप लाल, पीली, हरी शिमला मिर्च बारीक कटी हुई, आधा कप उबला हुआ राजमा, थोड़ी सी ताजी धनिया पत्ती.

विधि- कड़ाही में घी व मक्खन गर्म करके लहसुन भूनें. 2 मिनट बाद इसमें प्याज भूनें. टमाटर प्यूरी, नमक, ऑरिगेनो, जीरा पाउडर, रेड चिली पाउडर, काली मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, रेड चिली फ्लेक्स, टोमैटो केचअप डालें. सारी चीजें अच्छी तरह मिलाकर 3 से 4 मिनट पकाएं. स्वीट कॉर्न, तीनों तरह की शिमला मिर्च, हैलपीन्यो और राजमा मिलाएं. अंत में चावल मिलाकर 10 से 12 मिनट तक पकाएं. धनिया पत्तियों से सजाकर सर्व करें.

FITNESS जोन

'अधोमुख श्वानासन' आसान और फायदेमंद योगासन

सूर्य नमस्कार 'ए' और सूर्य नमस्कार 'बी' के एक स्टेप के रूप में इस्तेमाल होने वाला यह सबसे शुरुआती योगासन है. यह आसन तीन शब्दों से मिलकर बना है. 'अधस' जिसका मतलब है नीचे की ओर, मुख का मतलब है मुंह, और श्वान का मतलब है कुत्ता.

यह सबसे आसान और सबसे फायदेमंद योगासन है. इसलिए जो भी लोग योगासनों की शुरुआत करते हैं, सबसे पहले उन्हें यही योगासन करने की सलाह दी जाती है. इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं. दोनो पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें. इसके बाद धीरे-धीरे नीचे की ओर झुकें, जिससे आपके शरीर का 'वी' शेप बने. पैरों की तरह दोनों हाथों के बीच भी थोड़ी दूरी बनाकर रखें. कम से कम 30 सेकंड तक कुछ न करें, इसी मुद्रा में रहें. इसके बाद सांस लें और सांस लेते समय अपने पैरों की उंगुलियों की मदद से कमर को पीछे की तरफ खींचें. इस दौरान कोशिश करें कि आपके हाथ और पैर न मुड़ें. ऐसा करने से शरीर के पीछे हाथों और पैरों को खिंचाव मिलेगा, मुंह से एक लंबी सांस लें और फिर करीब 30 सेकंड तक या थोड़े कम समय तक इसी मुद्रा में रहें.

- इससे पेट सही रहता है, पाचन में सुधार होता है, तनाव कम होता है, अवसाद यानी डिप्रेशन को दूर करने में इस आसन से मदद मिलती है. जिन महिलाओं के पीरियड खत्म हो चुके हों उन्हें इस आसन के करने से घबराहट और बेचैनी से मुक्ति मिलती है. बीपी सामान्य रहता है और साइटिका तथा साइनस की समस्या में भी इससे मदद मिलती है.
- जो महिलाएं मोनोपोज के करीब पहुंच गई हों उन्हें इस आसन से मोनोपोज के समय होने वाली परेशानियों से राहत मिलती है. सिरदर्द, नींद न आने की समस्या, पीठ में होने वाला दर्द और थकान से भी इसमें राहत मिलती है.
- अधोमुखश्वानासन करते समय कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए. जैसे अगर पीठ में चोट लगी हो तो कभी भी यह आसन न करें. अगर पीठ में पहले कभी चोट लगी हो और रीढ़ की हड्डी कमजोर हो तो भी इस आसन से बचना चाहिए.
- गर्भवती महिलाओं को भी यह आसन बिलकुल नहीं करना चाहिए. इसे करते समय इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि हम अपनी शारीरिक क्षमता से ज्यादा जोर न लगाएं.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

03

जयपुर >> शनिवार, 14 मई, 2022

जो भी सच्चाई है, वो सामने आ जाएगी: महेश जोशी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। रेप और ब्लैकमेलिंग केस में घिरे रोहित जोशी के मामले में पीड़िता की ओर से लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं। इस मामले पर मंत्री डॉ महेश जोशी का कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है। पुलिस की जांच में सच्चाई सभी के सामने आ जाएगी। अभी इससे ज्यादा मेरा कुछ भी कहना उचित नहीं है। जोशी ने कहा कानून अपना काम कर रहा है। पुलिस जांच कर रही है। जो भी सच्चाई है वो सामने आ जाएगी। इससे ज्यादा कहना ठीक नहीं समझता। मुझे जो कहना था वो कह दिया है। उन्होंने कहा मैंने अब तक जो भी कहा है, वो सही कहा है। लेकिन इससे ज्यादा मेरा कहना उचित नहीं है। बार-बार मैं कह रहा हूँ कानून अपना काम कर रहा है। इससे पहले मंत्री महेश जोशी ने कहा था कि रोहित ऐसा काम कर ही नहीं सकता, वो ऐसे नेचर का लड़का नहीं है। उसके संस्कार भी ऐसे नहीं हैं। पुलिस जांच में पूरी बात साफ हो जाएगी और जनता के सामने पूरी सच्चाई आ जाएगी।

जोशी की बर्ख़ास्तगी की मांग पर बीजेपी का विरोध प्रदर्शन

बीजेपी जयपुर शहर छोटी चौपड़ पर रोहित जोशी पर कार्रवाई और मंत्री महेश जोशी के इस्तीफे या बर्खास्तगी की मांग पर विरोध प्रदर्शन भी रखा है। राघव शर्मा ने कहा सीएम गहलोत प्रदेश के गृहमंत्री भी हैं। उनकी सरकार के मंत्री के बेटे पर गम्भीर आरोप लगे हैं। उन्हें ऐसे व्यक्ति पर निश्चित तौर पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पिता के संरक्षण के कारण बच्चा उद्दण्डी हुआ है, तो पिता को मंत्री पद से मुक्त किया जाए। ताकि उन्हें अहसास हो सके कि आम आदमी किस तरह जीवन जीता है। राघव शर्मा ने कहा अबलाओं पर अत्याचार में राजस्थान नम्बर 1 पर है। राजस्थान को अबलाओं पर अत्याचार की राजधानी कह सकते हैं। जिस तरह जोशी केस में पीड़िता का बयान आया है कि कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर, सदर थाना, कोतवाली सब जगह उसने गुहार लगाई। इसके बावजूद उसे न्याय नहीं मिल पाया। न्याय की बात दूर है उसके परिवार को धमकाया गया। जान से मारने की धमकी दी गई। भंवरी प्रकरण दोहराने की बात कही गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

जयपुर जिला आयोजना समिति चुनाव में दिखी कांग्रेस की अंतर्कलह

शहरी क्षेत्र की समिति के चुनाव में सभी 10 उम्मीदवार हारे, बहुमत के बाद भी 10 में से 2 ही जीते

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी जयपुर में कांग्रेस के अंदर कितनी अंतर्कलह चल रही है। ये जयपुर जिला आयोजना समिति के चुनाव में खुलकर सामने आ गई। इन चुनाव में 20 सदस्यों में से कांग्रेस के केवल 2 ही सदस्य चुनाव जीत सके। सबसे बड़ी बात ये है कि शहरी क्षेत्र की समिति के 10 सदस्यों पर तो कांग्रेस का एक भी उम्मीदवार जीत नहीं सका। जबकि जयपुर नगर निगम ग्रेटर, जयपुर नगर निगम हेरिटेज और 10 अन्य नगर पालिकाओं में मौजूद कुल मैम्बर्स में से 43 फीसदी पार्षद तो कांग्रेस की सिंबल पर जीतकर आए हुए है। दरअसल, जिला परिषद में जिला आयोजना समितियां (शहरी और ग्रामीण) बनाई जाती है, जिसमें 10-10 मेंबर चुने जाते हैं। शहरी क्षेत्र की समिति के 10 मेंबर के चुनाव में जिले की नगर पालिका, नगर निगम के जीते हुए पार्षद वोटिंग करते है। जयपुर जिले की 10 नगर पालिकाओं और दो नगर निगमों के 570 पार्षदों में से 245 कांग्रेस पार्टी के है, जबकि 225 भाजपा के और 100 सदस्य निर्दलीय या दूसरी अन्य पार्टी से है। इस समिति के सभी 10 पदों पर भाजपा पार्टी के ही उम्मीदवार जीते है। आपको बता दें कि इन 10 सदस्यों के चुनाव के लिए कुल 624 मतदाताओं में से 383 मतदाताओं ने वोटिंग की, जबकि 7 सदस्यों के वोट खारिज हुए, जबकि 376 के ही वोट वैलिड रहे।

ग्रामीण समिति के चुनाव 8 सदस्य भाजपा के जीते

ग्रामीण क्षेत्र की समिति के 10 सदस्यों में से 8 पर भाजपा और भाजपा समर्थित उम्मीदवार जीते। इन चुनाव में जयपुर जिला परिषद के 51 सदस्यों में से 50 ने वोटिंग की थी। जबकि जिला परिषद के 51 में से 25 भाजपा के और 26 कांग्रेस के पार्षद है यानी यहां कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत है, उसके बावजूद भी कांग्रेस अपने सदस्य जीतने में फेल रही। इन चुनाव में भाजपा ने 3 कांग्रेस पार्टी के ही सदस्यों को अपने समर्थन से चुनाव में उतारा और वे जीत गए, जबकि 5 सदस्य भाजपा के थे। वहीं कांग्रेस पार्टी और उसके समर्थन वाला 2 सदस्य चुनाव में जीते।

एक वोटर चुनता है 10 सदस्य

इन चुनाव में एक वोटर को 10 सदस्य चुनने का अधिकार होता है। बैलेट पेपर पर सभी उम्मीदवारों के नाम होते है और उनके आगे वोट देने होते है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पार्टी की तरफ से चुनाव कॉर्डिनेट कर रहे रामलाल शर्मा ने बताया कि इन चुनावों से पता चलता है कि कांग्रेस में कितनी अंतर्कलह है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेस के राज में आमजनता ही नहीं बल्कि उनके कार्यकर्ता और जीते हुए जनप्रतिनिधि भी परेशान ही और इसी का परिणाम है कि जिला आयोजना समिति चुनाव में कांग्रेस के पार्षद वोट करने तक नहीं आए।

गोविंद देव मंदिर के महंत की बहू फंदे पर लटकी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में गोविंद देव मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी की बहू निवेदिता (35) की लाश मंगलवार को फंदे से लटकी मिली। परिवार दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंचा तो घटना का पता चला। परिवार वाले गणगौरी हॉस्पिटल ले गए। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली। मामला माणक चौक थाना क्षेत्र का है।

जानकारी अनुसार माणक चौक थाना सीआई सुरेंद्र यादव ने बताया कि मंगलवार सुबह गोविंद देव मंदिर के महंत और खवास जी के रास्ते निवासी अंजन कुमार गोस्वामी और उनके बेटे मानस गोस्वामी पूजा करने मंदिर गए हुए थे। सुबह करीब 6 बजे महंत के घर सफाई करने वाली महिला ज्योत्सना पहुंची। निवेदिता का कमरा अंदर से बंद था। सफाई वाली महिला ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। महिला को शक हुआ। घर की दूसरी नौकरानी सुलेखा को बुलाया। उसने खिड़की से झांककर देखा तो निवेदिता फंदे से लटकी थी। पड़ोसी दरवाजा तोड़कर कमरे में घुसे। निवेदिता के शव को अस्पताल पहुंचाया गया। महंत और उनके बेटे को भी सूचना दी गई। वे भी अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पड़ोसी दरवाजा तोड़कर कमरे में घुसे। निवेदिता के शव को अस्पताल पहुंचाया गया। महंत और उनके बेटे को भी सूचना दी गई। वे भी अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

क्या मानस की मारापीठी व अत्याचार का शिकार नहीं हुई निवेदिता?
क्या निवेदिता इन दिनों मानसिक अवसाद में चल रही थी?
पारिवारिक झगड़ों ने निवेदिता को आत्महत्या करने पर मजबूर नहीं किया?

माता के जयकारों के साथ वैष्णोदेवी की 25वीं विशाल पदयात्रा रवाना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति सांगानेर के तत्वावधान में रविवार 8 मई को वैष्णोदेवी के लिए 25वीं विशाल पदयात्रा गाजे-बाजे और माता के जयकारों के साथ रवाना हुई। जयपुर से वैष्णोधाम कटरा तक 28 दिवसीय इस पदयात्रा की शुरूआत सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर जयपुर से पूजा अर्चना के साथ हुई। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति के संस्थापक नारायण राजोरिया ने बताया कि ग्रेटर नगर निगम जयपुर महापौर सौम्या गुर्जर, एडवोकेट विकास सोमानी समाजसेवी रतन लाल शर्मा और दिनेश कुमावत ने पदयात्रा को रवाना किया। इस दौरान अतिथियों ने पदयात्रियों को धर्म ध्वजा, जय माता दी लिखा दुपट्टा भेंट किया। नारायण राजोरिया ने बताया कि विश्व शांति और अच्छे मानसून की कामना को लेकर पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जय मां वैष्णोदेवी सेवा समिति के संस्थापक नारायण राजोरिया ने बताया कि 28 दिवसीय पदयात्रा के दौरान रामधुनी का निरंतर आयोजन होगा। साथ ही समिति की ओर से नाश्ता पानी और भोजन की व्यवस्था भी निःशुल्क ही की गई है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अब राजस्थान में सबके लिए

नि:शुल्क इलाज

“स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च प्रत्येक परिवार की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। राजस्थान सरकार ने एक मानवीय पहल करते हुए **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना** प्रारंभ की है जिससे सभी प्रदेशवासियों को **नि:शुल्क** बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

इस योजना के अंतर्गत सरकारी एवं निजी अस्पतालों में हार्ट, कैंसर, न्यूरो, कोविड, ब्लैक फंगस जैसी गंभीर बीमारियों एवं कॉकलियर इम्प्लांट, बोन-मैरो ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, हार्ट ट्रांसप्लांट, लीवर ट्रांसप्लांट, घुटना प्रत्यारोपण और डायलिसिस जैसे महंगे इलाज भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि अब तक प्रदेश में 12 लाख से अधिक मरीजों ने इस योजना के अंतर्गत लगभग 1400 करोड़ रुपये के नि:शुल्क इलाज का लाभ प्राप्त किया है। प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य का अधिकार प्रदान करने के दिशा में यह हमारा एक विनम्र प्रयास है। मैं आशा करता हूँ कि राजस्थान की तरह प्रत्येक देशवासी को इसी प्रकार नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।”

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

हैल्थकेयर का राजस्थान मॉडल

मुख्यमंत्री
चिरंजीवी
स्वास्थ्य बीमा योजना

राजस्थान के हर परिवार को
₹10 लाख
का नि:शुल्क स्वास्थ्य बीमा

साथ में
₹5 लाख
का दुर्घटना बीमा

एवं

सरकारी अस्पतालों में
ओपीडी एवं आईपीडी
दवा जांचें सहित पूर्ण इलाज नि:शुल्क

• प्रदेश का कोई भी परिवार योजना से जुड़ सकता है •

• कर्मचारियों और पेंशनर्स परिवारों को CGHS की तर्ज पर RGHS की कैशलेस इलाज की सुविधा •

पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट http://chiranjeevi.rajasthan.gov.in देखें या 181/18001806127 पर फोन करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर >> शनिवार, 14 मई, 2022

हेलमेट और पत्नी दोनों सुरक्षा कवच!

हेलमेट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा - सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी?

वैश्विक स्तर पर नारी का सम्मान हर देश में किया जाता है। नारी के हक़, अधिकार, समानता का भाव इत्यादि अनेक अवसरों के लिए वैश्विक स्तर पर अनेक दिन मनाए जाते हैं। हमने अभी 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े जोरदार ढंग से और शिद्दत के साथ मनाया। साथियों आधी आबादी के तौर पर महिलाएँ हमारे समाज -जीवन का एक मज़बूत आधार है। महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना करना ही असंभव है। कई बार महिलाओं के साथ पेशेवर ज़िंदगी में भेदभाव होता है। घर-परिवार में भी कई दफ़ा उन्हें समान हक़ और सम्मान नहीं मिल पाता है। फिर वे जूझती हैं। संघर्ष कर करती हैं और इस दुनिया को ख़ूबसूरत बनाने में उनका ही सर्वाधिक योगदान है। महिला/स्त्री/नारी/औरत शब्द कुछ भी हो, मां/बहन/बेटी/पत्नी रिश्ता कोई सा भी हो वे हर जगह सम्मान की हक़दार है। चाहे वह शिक्षक/वकील/डॉक्टर/पत्रकार/सैनिक/सर कारी कर्मी/इंजीनियर जैसे किसी पेशे में हों या फ़िर गृहिणी ही क्यों न हों, समानता, सम्मान का अधिकार उन्हें भी उतना ही है, जितना की पुरुषों का है।

साथियों आज हम इन अधिकारों में जो नारी का पत्नी के रूप में सराहनीय ज़वाबदारी निभाने से संबंधित है, जो ग्रहणी के साथ घर का प्रबंधन, सास ससुर की माता पिता के रूप में सेवा, पति के जीवन में हर मोड़ पर संगिनी का रूप होता है, पत्नी को हर पति और परिवार द्वारा सम्मान दिए जाने को रेखांकित करना ज़रूरी है। मीडिया में या हम कई जगहों पर एक व्यंग्य या जोक्स के रूप में पढ़ते हैं कि हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा होता है सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी।

साथियों इसमें भी हम सकारात्मकता और गंभीरता से सोचे तो यह सच है कि जो नारी पत्नी के रूप में इतनी ज़वाबदारियाँ निभाती है वह सम्मान की हक़दार तो होगी ही। यहां हम सिर पर बैठा के रखो से का अर्थ मान सम्मान और उसके हक़ के संबंध में करते हैं, और करें भी क्यों ना? क्योंकि हमने अनेक बार यह कहावत सुनी है कि पुरुष की सफ़लता के पीछे नारी का हाथ होता है। अनेकों बार पति की सफ़लता के पीछे भी पत्नी का बहुत बड़ा हाथ होता है कुछ अपवादों को छोड़ दें तो वह हर स्थिति, परिस्थितियों में पति का साथ देती है।

साथियों बात अगर हम पतिपत्नी के दांपत्य जीवन में सोच की करें तो, दांपत्य जीवन में पति-पत्नी की अलग सोच रिश्ते को कमज़ोर कर सकती हैं। जब पति पत्नी के विचार एक दूसरे से नहीं मिलते तो लड़ाई या टकराव होना स्वभाविक है। हर किसी व्यक्ति का स्वभाव अलग-अलग होता है और अगर दो अलग स्वभाव के व्यक्ति एक रिश्ते में बँध जाएँ तो ऐसे में समझदारी से काम लेना ज़रूरी है। लेकिन कभी-कभी ग़लत फ़ैसले लेने से रिश्ते में ग़लतफहमी बढ़ती चली जाती है और रिश्ता टूटने लगता है। ऐसे में समय रहते रिश्ते को बचाना ज़रूरी है। बता दें कि कुछ तरीके रिश्ते में ख़ुशहाली और प्यार दोनों ला सकते हैं। ऐसे अनेक तरीक़े हैं जो अलग-अलग स्वभाव के व्यक्ति एक दूसरे के साथ तालमेल बैठाने के लिए अपना सकते हैं।

अगर आपकी अपने पार्टनर के साथ कई मसलों पर सहमति नहीं होती हैं तो ऐसे में लड़ाई करने के बजाए कोई ऐसा रास्ता निकालें, जिससे आपका और आपके पार्टनर का दोनों की बात का मान रह जाए, हर व्यक्ति की अपनी पसंद अपनी इच्छा होती है। ऐसे में अपने पार्टनर पर उस इच्छा को थोप ना गलत बात है। अपने पार्टनर को पर्सनल स्पेस से दें। हमेशा दांपत्य जीवन में एक दूसरे को समान समझे और दोनों के फ़ैसले को महत्व दें।

साथियों बात अगर हम दांपत्य जीवन में रिश्ते और परिवार के स्वभाव की करें तो, दांपत्य जीवन में एक दूसरे से प्यार करने के साथ-साथ उसकी इज्ज़त करना भी बेहद ज़रूरी है। ऐसे में यदि आपको पता है कि आपके पार्टनर का स्वभाव अलग है या उसके कुछ फ़ैसले आपको पसंद नहीं हैं तो उसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप अपने पार्टनर के स्वभाव को बदलें। ऐसा करने से आपके पार्टनर को लग सकता है कि आप उससे प्यार नहीं करते और आप को उनके कारण शर्मिंदगी होती है। ऐसे में अपने पार्टनर का स्वभाव बदलने के बजाय आप अपने पार्टनर को अपनी परेशानी के बारे में बताएं और एक दूसरे से बातचीत करें।

जान बची रहेगी की करें तो इस लेख का उद्देश्य दांपत्य जीवन में पति पत्नी को हर्ट करना नहीं है। इसका मतलब हमें पत्नी को सम्मान, अधिकार देने से है न कि पत्नि या पति को हर्ट करने की। क्योंकि सामान्यतः मीडिया में यह पंक्ति हास्य, व्यंग्य, जोक्स के रूप में ही आती है परंतु हमें इस व्यंग्य और जोक्स को भी सकारात्मकता से रेखांकित करने की ज़रूरत है क्योंकि एक सुखी दांपत्य जीवन के लिए पत्नी को हक़, अधिकार, प्यार और महत्व देना वर्तमान समय की नज़ाकत को देखते हुए ज़रूरी भी है क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि इसकी हर पत्नी हकदार भी है। हालांकि इसके साथ पत्नी को भी पूरी शिद्दत के साथ अपनी ज़वाबदारी, कर्तव्य निभाने की उतनी ही ज़रूरी है जितना इस पंक्ति को सकारात्मक और गंभीरता से रेखांकित करना ज़रूरी है

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे नारी त्याग की मूरत है, हर रिश्ते को अपनत्व, कर्तव्य, जवाबदारी से निभाने में परिपूर्ण है तो पुरुष भी जीवन की जंग को जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका रखते है।

संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

काव्य कोना

उम्मीद ...

उदास रातों में उम्मीद की शमां जलाओ यारो
सन्नाटे की दीवारों पर खुशियां सजाओ यारो
फिर ये ख़ामोशी भी छेड़ेगी तराना कोई नयाँ
इस वीराने में गीत कोई भला गुनगुनाओ यारो
उम्र के साथ बढ़ती गई मुश्क़िलें तो क्या
तजुर्बे की तपिश से इसे सुलझाओ यारो
सब्र से काम लेना जो फिर से तूफ़ां आए
ज़िंदगी की कश्ती को लेना कसके थाम यारो
और जब गुज़र जाए रात मुश्किल अंधेरों भरी
नई सुबह को देना फिर से नयाँ पैगाम यारों
ज़िन्दगी यूँ ही गुज़री है मेहनत में तो क्या
नस्ले रखेंगी अपने दिलों ताज़ा अपना नाम यारों
गुलाम के होने न होने में क्या रखा है हज़ूर
वो तो लिखा ही करता है सुबह-ओ-शाम यारो
न जाने किस मुक़ाम पे ले जाकर छोड़ेगी ये आशिक़ी
बदनामी में भी जिससे रौशन हुआ उसका नाम यारो।।

हरविंदर सिंह गुलाम
पटियाला (पंजाब)

कब से... ग़ज़ल

यही रटते है बस इक़बार कब से
भरोसे को जो है तैयार कब से
किसी को इश्क़ मे बैठे मिला है
यहां गिनते हैं सब इतवार कब से
तेरी नज़रों को अब धोखा हुआ है
वो सब सच था जो था ऐ यार कब से
तूने पानी में कितनी देर कर दी
मैं बैठा हूं यहा इसपार कब से
बड़ी मुश्किल से ये सपना हुआ है
बक़ाया था तेरा दीदार कब से
यकीं खुद पर भी अब कितना करें हम
यहां ख़ामोश है बाज़ार कब से
कि कब से है तेरी यादें संजोए
कलेंडर ने कहा बेकार कब से
तेरी यादों से क्या हासिल हुआ है
ये बीपी औ शकर का वार कब से

शिवम तिवारी
आरा, बिहार

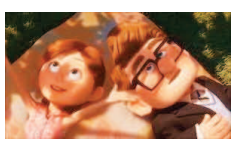

घर में केसर कुल्फी बनाना

गर्मियों में कुल्फी खाना हर किसी को पसंद होता है। यह आइक्रीम की तरह ही होती है लेकिन यह खाने में आइक्रीम की तरह हल्की नहीं होती है। आप ने तब तक सिर्फ मार्केट में मिलने वाली कुल्फी का ही स्वाद चखा है मगर आप इसे आसानी से घर पर भी बना सकते हैं। घर पर बनाकर कुल्फी बनाकर आप अपने बच्चों को भी सरप्राइज दे सकते हैं।

केसर कुल्फी बनाने के लिए सामग्री: कुल्फी को दूध और चीनी से तैयार किया जाता है और इसमें फ्लेवर देने के लिए केसर और इलाइची के साथ ड्राई फ्रूट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इस केसर कुल्फी को बनाने में आपको मात्र 35 मिनट ही लगेंगे।

कुल समय: 35 मिनट
तैयारी का समय:15 मिनट
पकने का समय: 20 मिनट
कितने लोगों के लिए: 2

केसर कुल्फी की सामग्री: 2 कप दूध, 1 कप कंडेन्स मिल्क, 2 टेबल स्पून कॉर्न फ्लोर, 1 टी स्पून इलाइची पाउडर, 2 टेबल स्पून बादाम टुकड़ों में कटा हुआ, 1 टेबल स्पून काजू टुकड़ों में कटा हुआ, 2-3 इलाइची क्रश की हुई, 10-12 केसर स्टिक

केसर कुल्फी बनाने की विधि

1. एक पैन में दूध लें, उसे हल्की आंच पर चलता रहें। 2. पैन में अब कंडेन्स मिल्क डालें। 3. फिर से चलाएं। 4. इसमें क्रश की हुई इलाइची डालें। 5. दूध में उबाल आने तक चलाते रहिए। 6. अब इसमें कटे हुए काजू और बादाम डालकर दूध को उबालने के साथ-साथ चलाते रहिए। 7. एक चम्मच दूध में इलाइची पाउडर, केसर और कॉर्न फ्लोर लेकर मिलाएं और उसे उबलते हुए दूध में मिक्स करें। 8. इसे तब तक चलाते रहिए जब तब तक यह गाढ़ा न हो जाए। 9. इसे ठंडा होने के लिए एक साइड रख दें।10.जब यह ठंडा हो जाए तो इस पेस्ट को मोल्ड्स में डालें। 11.अब इन मोल्ड्स को 7 से 8 घंटे के लिए फ्रीज में रख दें। 12. कुल्फी पर बादाम और काजू डालकर ठंडा सर्व करें।

गर्मी में बनाएं खस का शरबत, मिलेगा ठंडक का एहसास

गर्मियों के मौसम में शरीर के तापमान को कम करने के लिए अलग-अलग चीज़ों को खाने की सलाह दी जाती है। जिससे कि शरीर को ठंडक मिलती रहे। वहीं घर से बाहर निकलने पर तेज धूप और लू का असर भी शरीर पर कम हो। ऐसे में खस का बना शरबत काफ़ी राहत पहुंचाता है। वैसे भी गर्मियों के मौसम में कई सारे देसी ड्रिंक हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ ही गर्मी और लू से भी बचत करते हैं। जैसे आम का पन्ना, सत्तू से बनीं ड्रिंक वहीं खस का शरबत भी काफ़ी फायदेमंद होता है। तो चलिए जानें कैसे तैयार होगा खस से बना शरबत।

खस का शरबत बनाने की सामग्री: खस का एसेंस एक चम्मच, चीनी दो कप, ग्रीन कलर का फूड कलर, पानी दो गिलास, बर्फ के टुकड़े शरबत को ठंडा करने के लिए।

खस का शरबत बनाने की विधि: खस का शरबत बनाने के लिए किसी बर्तन में दो गिलास या फिर जितने लोगों के लिए शरबत बनाना है। उतनी मात्रा में पानी ले लें। इस पानी में स्वादानुसार दो कप या पानी की मात्रा के अनुसार चीना डालकर अच्छे से घोलें। चीनी को पानी में घोलने के लिए इसे चम्मच की सहायता से चलाते रहें। ऐसा करने से चीनी जल्दी घुल जाएगी। अब चीनी और पानी के घुल जाने पर उसमे खस का एसेंस एक चम्मच या फिर पानी की मात्रा के अनुसार दो से तीन चम्मच डाल दें। इसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें। साथ में आधा चम्मच हरे रंग का फूड कलर भी डाल दें। इस शरबत में बर्फ के टुकड़े डालकर ठंडा कर लें। बस तैयार है खस का शरबत। ये गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करेगा। वैसे आजकल बाजार में कई सारे शरबत बने बनाए भी आते हैं। बस इसे घर में लाकर पानी में घोल देना होता है। खस का शरबत भी बाज़ार में मिलता है। इसे फटाफट मिनटों में तैयार किया जा सकता है।

बेटी की माँ...

ससुराल गयी रंजना पहली बार अपने मायके आ रही थी। साथ में उसका पति राजेश भी था। दोनों बहुत खुश थे। जैसे ही उसने मायके की देहरी पर क़दम रखा; उसकी नज़र माँ शांता पर पड़ी। देखा कि माँ की आँखों में इकलौती बेटी का इंतज़ार है; एक अगाध स्नेह माँ के मुस्कुराते ओंठों से छलछला रहा है। रंजना ने शांता के पैर छुए। शांता की नीरबूँदें लुढ़क गयी। रंजना को अपनी बाँहों में भरकर उसका मन खूब रोने को कर रहा था। ज्यों ही शांता रोने लगी, रंजना ने यह कहकर उसे मना कर दिया कि माँ... ! मुझे रोना-धोना अच्छा नहीं लगता। अब गया वो जमाना। मैं खुश हूँ न, तुम भी खुश रहो। देहातियों का काम है यह सब। मैं आज की लड़की हूँ...आज की बेटी हूँ। आई एम अ मॉडर्न गर्ल। फिर क्या करती बेचारी शांता; पिल्लर को पकड़ कर रोने लग गयी।

आज रंजना अपनी बेटी रिया को ससुराल विदा कर रही है। उसे पिछले इक्कीस साल का वो पल याद आ रहा है। रंजना ही रिया से लिपटकर रो रही है; पर उसकी आँखों में बेटी रिया की विदाई के आँसू से ज्यादा माँ शांता की यादों के आँसू हैं।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

सावधान

सावधान रहो दीदी-भाई,
रहो चौकन्ने बापू-माई।
प्यारी सी दिखने वाली मक्खी,
रोग सभी फैलाने आई।।
दूषित जगहों पर वो बैठे,
पैरों में गंदा चिपकाए।
खाने की चीज़ों पर आकर,
वही गंदगी यहाँ मिलाए।।
दोनों पैर रगड़ती है जब,
गंदे कीटाणु हैं झड़ते।
भोजन को गर नहीं ढँके तो,
ये सारे उसमें हैं पड़ते।।
दस्त डायरिया हैजा उल्टी,
ख़तरनाक बीमारियाँ पलती।
उपचार सही गर न मिल पाया,
तब तो मृत्यु भी न टलती।।
इसीलिए कहता हूँ सुन लो,
ढँकी रखो चीजें खाने की।
मक्खी को समझा न सकते,
बात है खुद को समझाने की।।
पोंछा-झाड़ू नित्य करो जी,
स्वच्छ रखो सारे सामान।
सावधानी में है सुरक्षा,
समझाता सबको 'नादान'।।

तुषार शर्मा 'नादान'
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

लगती गरमी बढ़ती धूप।
सूख रहें सब नदियाँ कूप।।
पक्षी करते जल की आस।
गला सूखते लगती प्यास।।
इधर उधर सब भटके रोज।
पानी का करते हैं खोज।।
छत पर ढूँढे चिड़िया नीर।
नहीं मिले तब होवे पीर।।
चिड़िया कैसे प्यास बुझाय।।
तड़प-तड़प कर वो मर जाय।
आओ सभी बढ़ाये हाथ।
देंगे मिलकर इनका साथ।।
छत पर पानी रखना रोज।
चाँवल दाना सुंदर भोज।।
चट कर जाये सारे अन्न।
पी कर पानी सभी प्रसन्न।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

थाने इज्ज़त लूटते, देख रही सरकार...रामराज की बात तब, लगती है बेकार!

पुलिस थाने के स्तर पर कुकर्म हो तो क्या करें? नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के हिसाब से बलात्कार के कुल दर्ज मामलों में, प्रत्येक पांच मामलें में से सिर्फ एक में ही बलात्कारी को सजा मिल पाती है; बाकी के सारे बलात्कारी 'बाइज्जत बरी' हो जाते हैं।

भारत में एक पुलिस अधिकारी द्वारा कथित तौर पर चार पुरुषों द्वारा कथित रूप से बलात्कार की गई एक 13 वर्षीय लड़की को फिर से यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा क्योंकि वह सामूहिक बलात्कार और अपहरण की शिकायत दर्ज कराने के लिए अधिकारियों के पास गई थी। यह घटना उत्तर प्रदेश की आबादी वाले राज्य में हुई जहां ललितपुर के एक पुलिस स्टेशन में स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) ने पीड़िता के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया।

नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण की घटनाओं के सिलसिले ने बच्चों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर एक नज़र डालने पर खुलासा होता है। पांच साल के भीतर नाबालिग बच्चियों के साथ रेप की घटनाओं में भारी इजाफ़ा हुआ है। 2012 में 17 साल और उससे कम उम्र की लड़कियों से छेड़छाड़ और रेप के मामलों की संख्या 8,541 थी। 2016 में यह संख्या बढ़कर 19765 हो गई। 2018 में, 12 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ बलात्कार के लिए मौत की सजा का प्रावधान करने के लिए एक अध्यादेश पारित किया गया था, हालांकि इसने अपराधियों को नहीं रोका और न ही घटनाओं को कम किया।

बलात्कार की उच्च दर की बात करें तो भारत अकेला नहीं है। लेकिन कई लोगों का मानना है कि पितृसत्ता और विषम लिंगानुपात मामले को बदतर बना सकता है। महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा कभी भी चुनावी मुद्दे नहीं बनते। भारत में, 2016 में, महिलाओं के खिलाफ 3.38 लाख अपराध के मामलों में, बलात्कार के मामलों में से 11.5% थे। लेकिन बलात्कार के 4 में से केवल 1 मामले में दोष सिद्ध होने के साथ, यह देश में बलात्कार पीड़ितों के लिए न्याय की एक गन्दी तस्वीर है। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के रोजमर्रा के कामकाज पर आश्चर्य होता है।

हालांकि पुलिस और न्यायिक सुधारों के कई दौरों ने इसके कामकाज में सुधार करने और इसके दृष्टिकोण को मानवीय बनाने की मांग की है, लेकिन तथ्य यह है कि पुलिस थाने के स्तर पर ऐसे कुकर्म हो तो क्या करें? समस्या अभी भी रूट स्तर पर मौजूद है; न केवल पुलिस प्रतिक्रिया बल्कि नागरिक सरकार के साथ-साथ डॉक्टरों, राजस्व अधिकारियों और स्थानीय कलेक्ट्रेट में भी शामिल है।

यदि कोई महिला यौन उत्पीड़न की शिकार हुई है, यदि उसका परिवार उसका समर्थन करता है, तो कुछ राहत और देखभाल हो सकती है, लेकिन अगर वे नहीं करते हैं या नहीं कर सकते हैं क्योंकि वे खुद चुप रहने के दबाव में हैं, तो वह परित्यक्त और मित्रहीन और बदतर, दागी महसूस कर रही है। कई बार, एक विरोध या अभियान, या महिला समूहों, दलित समूहों की निरंतर उपस्थिति और प्रगतिशील राजनीतिक और नागरिक अधिकारों के हस्तक्षेप ने अकेले प्राथमिकी दर्ज करना भर संभव बना दिया है। आगे कुछ नहीं होता?

शायद सबसे बड़ा मुद्दा भारतीय समाज में महिलाओं की समग्र निम्न स्थिति है। गरीब परिवारों के लिए शादी में दहेज देने की ज़रूरत बेटियों को बोझ बना सकती है। लिंग-चयनात्मक गर्भपात और कन्या भ्रूण हत्या के कारण भारत दुनिया में सबसे कम महिला-पुरुष जनसंख्या अनुपात में से एक है। अपने पूरे जीवन में, बेटों को उनकी बहनों की तुलना में बेहतर खिलाया जाता है, उनके स्कूल भेजे जाने की संभावना अधिक होती है और उनके करियर की बेहतर संभावनाएं होती हैं।

जन्म आधारित श्रेष्ठता, जो कि नाज़ायज है, कायम नहीं रह सकती, जब तक कि इसे पेटेंट झूठ और पाशविक बल के संयोजन के माध्यम से दिन-प्रतिदिन नवीनीकरण नहीं किया जाता है। बलात्कार पीड़ितों को अक्सर गांव के बुजुर्गों और कबीले परिषदों द्वारा आरोपी के परिवार के साथ 'समझौता' करने और आरोप छोड़ने या यहां तक कि हमलावर से शादी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इसके अलावा, एक बलात्कारी को न्याय के कटघरे में लाने की तुलना में एक लड़की की शादी की संभावित संभावनाएं अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। न्यायाधीशों की कमी के कारण, भारत की अदालत प्रणाली कुछ हद तक धीमी है। देश में प्रति दस लाख लोगों पर लगभग 15 न्यायाधीश हैं, जबकि चीन में 159 हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने एक बार अनुमान लगाया था कि अकेले राजधानी में बैकलॉग से निपटने में 466 साल लगेंगे।

भारतीय राजनेताओं ने भारत की यौन हिंसा की समस्या के लिए कई संभावित उपायों को सामने रखा है। लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि पुलिस थानों में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करना मुश्किल होगा। हमारे घरों, आस-पड़ोस, स्कूलों, धार्मिक स्थलों, कार्यस्थलों और अन्य व्यवस्थाओं में समाज के विभिन्न स्तरों पर समुदाय के सदस्यों के सहयोग से यौन हिंसा को रोका जा सकता है। हम सभी यौन हिंसा को रोकने और सम्मान, सुरक्षा, समानता के मानदंड स्थापित करने और दूसरों की मदद करने में भूमिका निभाते हैं।

भारत की बढ़ती बलात्कार प्रवृति को पुलिस और न्यायिक प्रणालियों में सुधारों के माध्यम से दोषसिद्धि दर में वृद्धि करके और बलात्कार पीड़ितों के पुनर्वास और उन्हें सशक्त बनाने के उपायों को बढ़ाकर सबसे अच्छा उलट दिया जा सकता है। आपराधिक न्याय प्रणाली राजनीतिक दबावों के प्रति संवेदनशील बनी हुई है और कई अभियुक्तों को मुक्त होने की अनुमति देती है। यौन अपराधों की जांच में बाधा डालने या ऐसे मामलों के अपराधियों के साथ मिलीभगत करने के दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसे सही दिशा देने की जिम्मेदारी समाज को ही लेनी होगी। इसके बिना हम वह सभी वादे पूरे नहीं कर सकते जो हमने आज़ादी के समय एक राष्ट्र के रूप में किए थे। हमें सामूहिक रूप से इस अवसर पर उठना चाहिए और अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित भारत बनाना चाहिए।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के हिसाब से बलात्कार के कुल दर्ज मामलों में, प्रत्येक पांच मामलें में से सिर्फ एक में ही बलात्कारी को सजा मिल पाती है। बाकी के सारे बलात्कारी 'बाइज्ज़त बरी' हो जाते हैं। और ऐसे में पीड़ित स्त्री को तीहरी सजा मिलती है। पहली सजा तो यह कि एक स्त्री सिर्फ़ अपनी मादा होने के कारण ही बलात्कार पाने के योग्य हो जाती है। दूसरी सजा उसे तब मिलती है जब कानून के लंबे हाथों के बावजूद, अपराधी पीड़िता की आँखों के आगे खुले घूमते फिरते हैं। तीसरी सजा उसे तब मिलती है जब दोषी पकड़े जाने पर भी 'बाइज्ज़त बरी' हो जाते हैं और पीड़िता को 'बेइज्ज़त' और 'इज्ज़त लुटा हुआ' घोषित कर दिया जाता है। और इस पूरे प्रकरण के दौरान और बाद में पीड़िता का जो मानसिक बलात्कार होता है उसका हिसाब तो चित्रगुप्त भी नहीं लिख सकता. शरीर व कोमल भावनाओं के साथ हुई हिंसा का भला हमारी इज्ज़त से क्या व कैसा संबंध है?

सत्यवान सौरभ
रिसर्च स्कॉलर
भिवानी, हरियाणा

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

05

जयपुर ≫ शनिवार, 14 मई, 2022

नगरीय विकास मंत्री ने ली बैठक

वन विभाग के अधिकारियों ने दिया पॉवर पॉइन्ट प्रजेंटेशन

जयपुर शहर के आस-पास की वन भूमियों पर इको ट्यूरिज़्म के रूप में छह परियोजनाएं की जायेंगी विकसित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। माननीय नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री श्री शांति धारीवाल के समक्ष जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन की उपस्थिति में बुधवार को जयपुर शहर के आस-पास की वन भूमियों को ईको-ट्यूरिजम के रूप में विकसित करने के क्रम में छह परियोजनाओं पर अजय चित्तौड़ा आईएफएस, उप वन संरक्षक वन्यजीव चिड़ियाघर जयपुर द्वारा पावर पॉइन्ट प्रजेंटेशन दिया गया।

जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन ने बताया कि वन विभाग की वन भूमियों पर जेडीए के वित्तीय सहयोग से वन एवं वन्यजीव संरक्षण एवं विकास हेतु पांच परियोजनाओं पर बुधवार को वन विभाग के अधिकारियों द्वारा पावर पॉइन्ट प्रजेंटेशन दिया गया। जो निम्नानुसार हैः-

आमागढ आरक्षित वन में तेंदुआ संरक्षण कार्यः झालाना लेपर्ड रिजर्व में बढ रही लेपर्ड की संख्या व खो नागोरियान वनखण्ड के वनक्षेत्र के पास स्थित आमागढ व लालवेरी वन क्षेत्र 1636 हैक्टर को विकसित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसमें विभिन्न वन्यजीव जैसे लेपर्ड, जरख रेटल अन्य प्रजातियां का आवास है। उक्त वन्यजीवों का आवास को और अधिक विकसित किया जाना है, क्योंकि झालाना वनक्षेत्र में लेपर्ड का प्रेबेस ना के बराबर है उसी प्रकार इस वनक्षेत्र में भी लेपर्ड का प्रेबेस नहीं है उनके लिए प्रेबेस बढाने का कार्य जल संरक्षण, निरीक्षण पाथ, चौकी इत्यादि कार्य करवाये जायेंगे। उक्त कार्यो से वनक्षेत्र के विकसित होने के साथ साथ वन्यजीवों का आवास में विकास होगा तथा पर्यटकों के लिए भी यह क्षेत्र झालाना लेपर्ड रिजर्व से बेहतर विकसित होगा। कार्यो पर राशि रूपये 1080.00 लाख कार्य व्यय होगा। उक्त कार्य जेडीए के सहयोग से वन विभाग द्वारा करवाया जाकर क्षेत्र को विकसित किया जावेगा।

बीड़ गोविन्दपुरा बायोडाईवरसिंटी फोरेस्टः बीड़ गोविन्दपुरा बायोडाईवरसिंटी फोरेस्ट भाग 100 हैक्टर क्षेत्र में फैला है। पूर्व में 90 हैक्टर के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 व 2018-19 के अन्तर्गत 22500 पौधें उक्त क्षेत्र में वन महोत्सव के अन्तर्गत मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन योजना में रोपित किये गये। वर्तमान में 100 हैक्टर के अन्तर्गत बायोडाईवरसिंटी फोरेस्ट विकसित करने के लिये क्षेत्र में पक्की दीवार निर्माण, चैनलिंग फैसिंग, वृक्षारोपण व अन्य कार्यो के लिये विकसित किया जावेगा।

जिससे वनक्षेत्र के विकसित होने के साथ साथ वन्यजीवों का आवास में विकास होगा उक्त कार्य जेडीए के सहयोग से वन विभाग द्वारा करवाया जाकर क्षेत्र को विकसित किया जावेगा। जिस पर राशि रूपये 500.00 लाख का व्यय होगा।

टाईगर सफारीः नाहरगढ़ जैविक उद्यान, जो कि नाहरगढ अभयारण्य के भाग 720 हैक्टर क्षेत्र में फैला है और आमेर पर्यटन क्षेत्र के नजदीक है। उक्त क्षेत्र में पूर्व में जूलोजिकल पार्क, लॉयन सफारी के विकसित होने से पर्यटको की संख्या में वृद्वि हो रही है। उनके द्वारा वन्यजीवों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है। नाहरगढ जैविक उद्यान में विभिन्न प्रजातियां के वन्यजीव स्वतत्र रूप से विचरण करते हैं तथा 285 प्रजातियों के पक्षियों को भी निहारा जाता है। उक्त क्षेत्र अरावली पर्वत माला की पहाडियों में स्थित होने के कारण यहां का वातावरण वन्यजीवों के लिए काफी सुखद है। जिससे पार्क के वन्यजीवों की संख्या में वृद्वि हो रही है। पर्यटक भी वन क्षेत्र की हरियाली व आनन्दमय वातावरण व स्वस्थ्य वन्यजीवों को देखकर आनन्दित होते है। केन्द्रीय चिडियाघर प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर ले आउट प्लान में टाईगर सफारी 30 हैक्टर क्षेत्र में विकसित करने के लिए स्वीकृत है। जिसको विकसित करने के लिए फैंसिंग, वाटर होल्स, गेट इत्यादि कार्य किये जावेंगे जिस पर अनुमानित राशि 453.00 लाख रूपये व्यय होगी। उक्त कार्य जेडीए द्वारा सम्पादित किये जायेंगे।

आद्रभूमि संवर्द्धन मुहानाः उक्त प्रस्तावित प्रोजेक्ट के अन्तर्गत वनखण्ड मुहाना जो कि नेवटा बांध के नजदीक स्थित है। उक्त क्षेत्र में नवेटा बांध का बैक वाटॅर से वॉटरलोगिंग हो गयी है। क्षेत्र के अधिकांश भाग में वर्ष भर पानी रहता है। जो कि वेटलैण्ड बर्डस के लिए अच्छा आवास बन रहा है। यहां पर वर्ष में लगभग 80 प्रजातियों के पक्षी देखे जा रहे है। कार्य योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यो से अन्य माईग्रेटरी व रेजीडेंट बर्डस के लिए भी अच्छा आवास होने जाने पर संख्या में बढोत्तरी होगी। प्रोजेक्ट कार्यों में पीसीटी, ग्रास लैण्ड डवलपमेंट इत्यादि कार्य करवाये जायेगें। जिस पर कुल अनुमानित राशि 800-00 लाख रूपये व्यय होंगे। उक्त कार्य जेडीए के सहयोग से वन विभाग द्वारा करवाया जाकर क्षेत्र को विकसित किया जावेगा।

जैव विविधता गोनेरः यह प्रोजेक्ट आरक्षित वन बीड गोनेर की 107 है0 वन क्षेत्र में विकसित किया जायेगा। यह क्षेत्र रिंगरोड के नजदीक है एवं नजदीक आबादी बढ़ती जा रही है। क्षेत्र को अतिक्रमण से प्रभावित नहीं होने देने, स्थित आवादी को स्वच्छ व शुद्व वातावरण प्रदान करने व वन्यजीवों के लिए अच्छा आवास उपलब्ध कराने के लिए उक्त प्रोजेक्ट में पौधारोपण, मृदाजल संरक्षण, चौकी इत्यादि कार्य प्रस्तावित किये है जिन पर पांच वर्षो में राशि 610.00 लाख रू. व्यय किये जायेंगे। उक्त कार्य जेडीए के सहयोग से वन विभाग द्वारा करवाया जाकर विकसित किया जावेगा।

सिल्वन बायोडाईवरसिंटी फोरेस्ट फेज-।।।ः यह प्रोजेक्ट आरक्षित वन बीड रावली, आगरा रोड पर स्थित 113 है0 वन क्षेत्र में सेन्ट्रल पार्क की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। जिस पर राशि रूपये 760.00 लाख रू. व्यय किये जायेंगे। उक्त कार्य जेडीए के सहयोग से जेडीए व वन विभाग द्वारा करवाया जाकर विकसित किया जायेगा।

परियोजनाओं के विकसित होने से जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण में कमी आयेगी एवं जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही ऑक्सीजन भी विकसित होंगे।

राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल भर्ती की परीक्षा प्रारंभ

470 परीक्षा केंद्रों पर करीब 19 लाख अभ्यर्थी दे रहे हैं परीक्षा

हिलव्यू समाचार

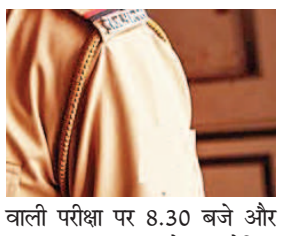

जयपुर। राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल और गृह रक्षा विभाग में मुख्य आरक्षी और आरक्षी की 13 मई से परीक्षा प्रारंभ हो गई है। इन परीक्षाओं में करीब 19 लाख अभ्यर्थी आवेदक बैठे हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा के संबंध में दिए गए दिशानिर्देशों की अनुपालना करने के लिए कहा गया है।

भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती बिनीता ठाकुर ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 13, 14, 15 और 16 मई को दो पारियों में आयोजित की जा रही है। गृह रक्षा विभाग की लिखित परीक्षा 16 मई को दूसरी पारी में आयोजित की जाएगी।

अभ्यर्थियों को परीक्षा समय से आधा घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचना सुनिश्चित किया गया है । प्रातः 9.00 बजे आयोजित होने वाली परीक्षा पर 8.30 बजे और अपरान्ह 3.00 बजे आयोजित परीक्षा में 2.30 बजे परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। नियत समय के बाद किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक दिन एक पारी में करीब पौने तीन लाख परीक्षार्थियों के लिये व्यवस्था की गई है। निष्पक्ष, निर्विघ्न व शांतिपूर्ण परीक्षा के आयोजन के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था की गई है।

परीक्षा केंद्र पर यथा सम्भव वीडियोग्राफी के साथ ही उड़नदस्ता दलो द्वारा आकस्मिक चेकिंग होगी। अंगूठे पर मेहंदी या स्याही या अन्य कोई निशान नहीं लगाने के निर्देश दिए गए हैं मेहंदी या स्याही लगी होने पर उन्हें परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। परीक्षार्थियों को अपना फोटो युक्त पहचान पत्र लेकर केंद्र पर आना होगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर मेटल का सामान साथ लाने या पहनकर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाया जा रहा है। कोई भी अभ्यार्थी यहां तक परीक्षा केंद्र में उपस्थित पुलिसकर्मी व वीक्षक भी अपना मोबाइल साथ में नहीं रख पाएंगे। लिखित परीक्षा के लिए बालपोइंट पेन पारदर्शी होना चाहिए, रंगीन या अन्य प्रकार का पैन से परीक्षा देना संभव नहीं होगा। कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में परीक्षा केंद्रों का आवंटन रेंडम तरीके से किया गया है। किसी भी अभ्यर्थी का परीक्षा केंद्र उसके गृह जिले या आवेदित जिले में नहीं दिया गया है। महिलाओं को उनके गृह जिले के आसपास के जिलों में ही परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया है।

गर्मी के मौसम में अपने पौधों की देखभाल कैसे करें?

तापमान बढ़ने के साथ ही हम परेशान होने लगते हैं। जहां गर्मी हमारा जीना मुश्क़िल कर देती है, वहीं हमारे घर के प्लांट्स के लिए भी गर्मी मुसीबत बनकर आती है। हम घरों में रहकर या एसी के टेम्प्रेचर को और नीचे लाकर अपनी सहूलियत का तो ध्यान रख लेते हैं, पर पौधों का क्या? गर्मी के मौसम में आप इन कुछ बातों का ध्यान रखकर अपने पौधों की देखभाल कर सकते हैं।

पानी आपकी ही नहीं, पौधों की भी ज़िंदगानी हैः गर्मी से बचने का सबसे मुफ़ीद तरीक़ा है खुद को हाइड्रेटेड रखना यही फ़ॉर्मूला आप अपने पौधों पर भी आज़माएँ। ठंडी में भले ही आप कभी-कभार पानी देना स्किप कर दिया करते थे, पर गर्मी में पौधों के साथ यह चांस नहीं ले सकते। आप पौधों को नियमित रूप से पानी दें. सबसे बेहतर यह होता है कि गर्मी के मौसम में पौधों को शाम के समय पानी देना। जब आप ऐसा करते हैं तब पौधे को पानी का इस्तेमाल करने के लिए अधिक समय मिल जाता है. वह रात भर पानी का इस्तेमाल अपनी दैनिक ज़रूरत को पूरी करने के लिए कर सकता है। वहीं अगर आप सुबह पानी डालेंगे तो ज़्यादातर पानी भाप बनकर तुरंत उड़ जाएगा। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि पौधे के आसपास की मिट्टी की नमी बनी रहे। अगर मिट्टी बहुत तेज़ी से सूख रही हो तो आप दिन में स्प्रिंकलर के माध्यम से पानी देने सकते हैं।

पौधों की जड़ों को अच्छे से ढंक दें: पौधे की जड़ों के ठीक ऊपर की मिट्टी को खाद, सूखे पत्ते और टहनियों से ढंक दें। इससे जब आप पौधे को पानी देते हैं, तब पानी का वाष्पीकरण जल्दी नहीं होता। साथ ही ऊपर की ये चीज़ें धीरे-धीरे गलकर मिट्टी की पौष्टिकता बढ़ाने का काम करेंगी। अगर आप अपने पौधों को गर्मी से बचाने के साथ-साथ डेकोरेट भी करना चाहते हैं तो उनकी जड़ों के पास की मिट्टी के ऊपर छोटे-छोटे रंग बिरंगे पत्थर यानी पेबल्स रख दें। ये भी आपके पौधे की नमी को बचाने में अपना योगदान देंगे।

शेड और नियमित कटाई-छंटाई की भूमिकाः पौधों को गर्मी के मौसम में बचाने का एक कारगर तरीक़ा उनकी नियमित ट्रिमिंग भी है। अगर पौधे बहुत छोटे और नाज़ुक हों तो आप उनके ऊपर कपड़े का शेड लगा सकते हैं। इससे वे सूरज की तीखी किरणों के डायरेक्ट संपर्क में आने से बचेंगे. अगर शेड की व्यवस्था ऐसी हो कि उसे शाम को हटाया जा सके तो बेहतर होगा। आप सुबह की हल्की धूप के बाद शेड लगा दें और शाम होते ही हटा दें। इसके साथ ही हफ़्ते में एक बार पत्तों की सूखी पत्तियों और टहनियों की कटाई-छंटाई कर दें। चिलचिलाती गर्मी के बावजूद आपको पौधों की अच्छी ग्रोथ होगी।

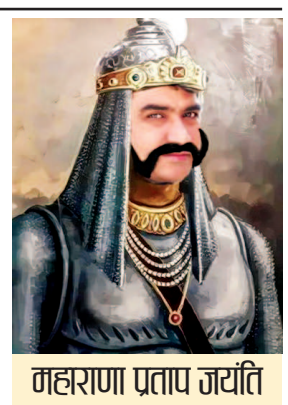

महाराणा प्रताप जयंति की शुभकामनाएं

महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया उदयपुर, मेवाड में सिसोदिया राजपूत राजवंश के राजा थे। उनका नाम इतिहास में वीरता, शौर्य, त्याग, पराक्रम और दृढ प्रण के लिये अमर है। उन्होंने मुगल बादशहा अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की और कई सालों तक संघर्ष किया।

- **जन्म की तारीख और समयः** 9 मई 1540, कुम्भलगढ़ फोर्ट, किला कुम्भलगढ़
- **मृत्यु की जगह और तारीख :** 19 जनवरी 1597, चवंद
- **लंबाई :** 2.26 मी
- **पत्नीः** अजबदे पंवार (विवा. 1557/1597)
- **बच्चे :** अमर सिंह, कुँवर दुर्जन सिंह, शेख सिंह
- **माता-पिता :** उदयसिंह द्वितीय, महारानी जयवंताबाई
- **दादा या नाना :** राणा संगा, रानी कर्णवती

गन पॉइंट पर स्कॉर्पियो लूटकर भागे छह बदमाशों में से 4 को पकड़ा, पांच देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, 22 जिंदा कारतूस और 7 खाली मैगजीन बरामद

हिलव्यू समाचार

चूरू। हमीरवास थाना क्षेत्र के हरपालु ताल इलाके में स्थित एक ईट भट्टे से हथियारों की नोक पर स्कॉर्पियो लूटकर भागे 6 बदमाशों में से 4 बदमाशों को थाना पुलिस ने डीएसटी की सहायता से गिरफ़्तार कर लिया। जिनके पास से पांच देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, 22 जिंदा कारतूस एवं 7 खाली मैगजीन बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों से बाकी साथियों एवं स्कॉर्पियो के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

चूरू एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि मंगलवार की दोपहर 5-6 हथियारबंद बदमाशों द्वारा हमीरवास थाना अंतर्गत गांव हरपालु ताल स्थित एक ईंट भट्टे से प्रवीण कुमार निवासी बीजावास की स्कॉर्पियो लूट ले जाने की सूचना प्राप्त होने पर थानाधिकारी हमीरवास विकास चंद्र मय जाब्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे।

लूटी गई स्कॉर्पियो एवं बदमाशों की तलाश में खोजबीन करते हुए टीम गाँव शूरपुरा पहुंची। जहां लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में स्कार्पियो सवार बदमाश गांव मंडौली की तरफ जाते हुए दिखाई दिए। इसी बीच डीएसटी की एक टीम और थानाधिकारी साहवा सुरेश कुमार भी वहां पहुंच गये। जिनके साथ सिवानी इसरवाल कासनी पहुंच कर आगे बदमाशों के भागने के संभावित रास्तों में घेरा दिया गया।

इसी दौरान डीएसटीके के कांस्टेबल कुलदीप व थाना हमीरवास कॉन्स्टेबल कर्मपाल को मुखबिर से सूचना मिली कि हरपालु ताल से स्कार्पियो लूटने वाले चार लड़के जिनकी उम्र 20 से 25 वर्ष है कासनी-मंडोली कला की रोही में देखे गए हैं। इस सूचना पर करीब 10 किलोमीटर पैदल पीछा कर कॉन्स्टेबल दिनेश, धर्मपाल, नीरज, कुलदीप, सुमित एवं रामफल द्वारा मंडोली कला रोही से हथियारों समेत चार बदमाशों को काबू किया गया।

इन्हें किया गया गिरफ्तारः पुलिस टीम ने गन प्वाइंट पर स्कॉर्पियो लूटने के मामले में मंडोली कला से आरोपी सचिन नेहरा उर्फ सरपंच पुत्र राजेश नेहरा (22), चांद राठी पुत्र जय भगवान(24), कर्मजीत जाट पुत्र जगदीश सहारण (25) एवं सुमित उर्फ मोनू पुत्र वजीर उर्फ वूजी राठी (26) निवासी थाना महम जिला रोहतक हरियाणा को बापर्दा गिरफ़्तार कर उनके कब्जे से 5 देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, 22 जिंदा कारतूस व 7 खाली मैगजीन बरामद किये है।

जयपुर में पुलिस कांस्टेबल से 40 हजार की ठगी

नजर बचाकर डेबिट कार्ड बदला, ATM में पहले से मौजूद थे दो लड़के

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में एटीएम से रुपए निकालने गए पुलिस कांस्टेबल से ठगी का मामला सामने आया है। एटीएम बूथ में मौजूद दो व्यक्तियों ने नजर बचाकर उसका डेबिट कार्ड बदल लिया। बैंक अकाउंट से 40 हजार रुपए निकालकर चपत लगा दी। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि ठगी की वारदात पो पंवालिया मुहाना निवासी शिवराज सिंह (48) के साथ हुई। वह विधायकपुरी थाने में कांस्टेबल है। 9 मई को देर शाम नगर निगम रोड पर स्थित इण्डससेण्ड बैंक के एटीएम पर गया था। मशीन में कार्ड लगाकर पिन डालकर स्टेटमेंट निकाला। स्टेटमेंट देखते समय एटीएम में पहले से मौजूद दो लड़कों ने नजर बचाकर मशीन में लगा डेबिट कार्ड बदल लिया। बदला हुआ कार्ड लेकर वह वहां से चला गया। जिसके कुछ देर बाद बैंक अकाउंट से डेबिट कार्ड के जरिए 4 बार में 40 हजार रुपए निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने पर डेबिट कार्ड संभालने पर वह किसी ओर व्यक्ति का होने का पता चला। थाने पहुंचकर पीड़ित ने घटनाक्रम बताते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ ही शातिरों की तलाश कर रही है।

ऐतिहासिक स्थल

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान

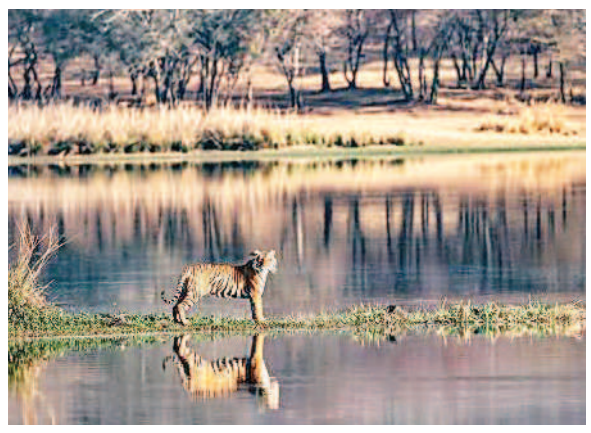

हिलव्यू समाचार

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान उत्तर भारत के बड़े उद्यानों में से एक है। यह जयपुर से 130 किलोमीटर दक्षिण और कोटा से 110 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में राजस्थान के दक्षिणी जिले सवाई माधोपुर में स्थित है। इसका निकटतम रेलवे स्टेशन और कस्बा सवाई माधोपुर यहाँ से 11 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। रणथंभौर को भारत सरकार द्वारा 1955 में सवाई माधोपुर खेल अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व में से एक घोषित किया गया था। 1 नवंबर 1980 को रणथंभौर एक राष्ट्रीय उद्यान बन गया। 1984 में, समीप के ही जंगलों को सवाई मान सिंह अभ्यारण्य और केलादेवी अभयारण्य घोषित किया गया। 1992 में, उत्तर में निकटवर्ती केलादेवी अभयारण्य और दक्षिण में सवाई मानसिंह अभयारण्य सहित अन्य जंगलों को शामिल करने के लिए टाइगर रिजर्व का विस्तार किया गया। आज यह 1334 वर्ग किमी के क्षेत्र को आच्छादित करता है।

श्रद्धांजलि

प्रसिद्ध संतूर वादक शिव कुमार शर्मा को हिलव्यू समाचार परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

तरबूज व कद्दू की आड़ में ट्रक से मादक पदार्थ तस्करी करते दो तस्कर गिरफ्तार, 70 लाख कीमत का साढे 17 क्विंटल अफीम डोडा चूरा बरामद

हिलव्यू समाचार

चित्तौड़गढ़। थाना सदर पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई कर नाकाबंदी में दिल्ली नंबर के एक ट्रक में तरबूज व कद्दू की आड़ में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करते थाना पीपाड़ शहर जोधपुर ग्रामीण निवासी दो तस्करों बक्सा राम पुत्र गोपाराम जाट (53) एवं श्याम लाल जाट पुत्र कोजाराम (27)को गिरफ्तार किया है। ट्रक की तलाशी में 17 क्विंटल 52 किलो और 600 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया। जिसकी बाजार में कीमत क़रीब 70 लाख रुपये आंकी गई है।

चित्तौड़गढ़ एसपी प्रीति जैन ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थानाधिकारी हरेंद्र सिंह सौदा मय थाना सदर पुलिस जाब्ता द्वारा बुधवार को धनेत पुलिया पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान उदयपुर-निंबाहेड़ा रोड की तरफ से आ रहे एक ट्रक को रुकवाया गया तो ट्रक में सवार तीन तस्कर ट्रक छोड़कर भागने लगे। मौके पर मौजूद पुलिस टीम द्वारा पीछा कर दो तस्करों बक्सा राम जाट व श्याम लाल जाट को पकड़ा गया। एक तस्कर महेंद्र विश्नोई निवासी पीपाड़ शहर भागने में सफल हो गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो तरबूज व कद्दू की आड़ में 85 काले कट्टों में 17 क्विंटल 52 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा तस्करी करते पाया गया। इस पर दोनों तस्करों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ़्तार कर अग्रिम अनुसंधान सीओ बेंगू रतनाराम देवासी द्वारा किया जा रहा है।

ज्ञानकथा

पृथ्वी गंदी करने से इंसानों पर संकट

यशोदाजी कुछ काम कर रही थीं. कुछ ग्वाले उनके पास पहुंचे और कहा- 'मैया, कन्हैया ने मिट्टी खा ली है.' यशोदा ने बलराम से पूछा- 'दाऊ, क्या ये सभी सही कह रहे हैं?' बलराम ने कहा- 'हां, कन्हैया ने मिट्टी खाई है.' यशोदा ने सभी बात सुनने के बाद कन्हैया को पकड़ा और पूछा- 'तूने मिट्टी क्यों खाई?'

कन्हैया ने कहा- 'मैया, मैंने मिट्टी नहीं खाई. तुम हमेशा इन लोगों की बातें सच मानती हो. लो मेरा मुंह तुम्हारे सामने है, अपनी आंखों से देख लो.' यशोदा ने कन्हैया से मुंह खोलने के लिए कहा तो उन्होंने मुंह खोल दिया. जैसे ही यशोदाजी ने कृष्ण के मुंह में झांका तो वे चौंक गईं, क्योंकि कृष्ण के मुंह में तो पूरा जगत समाया हुआ था. सभी दिशाएं, पहाड़, द्वीप, पृथ्वी सब कुछ कृष्ण के मुंह में दिखाई दे रहा था. ये देखकर यशोदा सोचने लगीं कि ये कोई इंद्रजाल है या मेरा बेटा है! कुछ देर के लिए यशोदाजी भ्रमित हो गईं. थोड़ी देर बाद यशोदा को ध्यान आया कि ये तो मेरा बेटा है. इसके बाद उन्होंने कृष्ण को गले से लगा लिया. तब बहुत से ग्वालों ने कृष्ण से पूछा- 'ये सब क्या है?' कृष्ण ने जवाब दिया- 'देखो तो लीला है और न समझो तो जादू है.' कृष्ण के भक्तों के मन में ये प्रश्न हमेशा खड़ा होता है कि उन्होंने अपनी मां को अपने मुंह में पूरा ब्रम्हांड क्यों दिखाया? जब मिट्टी खाई तो मां से झूठ क्यों बोला? कृष्ण अपनी लीला से एक संदेश देना चाहते हैं कि मैं जो भी काम करता हूं, उसमें प्रतीकात्मक रूप से एक सीख होती है. मैंने मिट्टी नहीं खाई थी, मैं ये बताना चाहता था कि मेरे साथी ग्वाले जिस पृथ्वी पर घूमते हैं और गंदा करते हैं, उसे मान देने के लिए धरती के कुछ कण मैंने मुंह में रख लिए. जब मां डांट रही थीं तो मैं ये बताना चाहता था कि मां वह मिट्टी नहीं है, वो पृथ्वी का वह रूप है, जिसे सभी को सम्मान देना चाहिए.

सीख - श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि जिस पृथ्वी को हम गंदा करते हैं, नदियों को दूषित करते हैं, पेड़ों को काटते हैं, उस पृथ्वी को श्रीकृष्ण भी बहुत सम्मान देते हैं. इसलिए हमें भी भूमि को गंदा करके उसे अपमानित नहीं करना चाहिए. अगर हम धरती व नदियों को गंदा करेंगे, पेड़ों को काटेंगे तो भविष्य में इंसानों के लिए संकट खड़ा हो जाएगा.

लाइफस्टाइल

उम्र तो सरकती रहेगी, हां, बुढ़ापे पर नकेल कसी जा सकती है. बुढ़ापे का संबंध उम्र से कम, हौसलापरस्ती और जीवंतता से अधिक है. बेशक वरिष्ठजन और वृद्ध समानार्थी हैं, किंतु दोनों पर्याय नहीं हैं. एक व्यक्ति आश्वस्त रहता है कि वह अमुक कार्य कर ही नहीं सकता, दूसरा आश्वस्त होता है कि वह फलां कार्य अवश्य कर लेगा. दोनों सही सोचते हैं और अपनी सोच के अनुरूप फल पाते हैं. 60 वर्ष का बूढ़ा और 60 वर्ष का युवा वाली उक्ति आपने सुनी होगी. पहला सेवानिवृत्ति के बाद परिजनों, मित्रों से मेलजोल कम करने लगा. उसे कभी बाएं हाथ में तकलीफ हो जाती तो कभी दाएं पांव में. अधिसंख्य उम्रदारों की भांति अपनी संतानों के सरोकारों तक उसकी दास्तान सीमित रहती है. सुनने वाला न मिले तो कालोनी के चौकीदार को रोक कर, बल्कि उससे बतियाने से ज्यादा स्वयं को समझाने की नाहक चेष्टा की जाती है कि बेटा लायक है, परदेश में है, खुश है, तरक्की की राह पर है. ऐसे बुजुर्गों की जिंदगी का मुख्य एजेंडा बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल यथासमय चुकाने, डाक्टरी जांचों और इलाज के लिए अस्पताल जाने-लौटने तक सिमट जाता है. संवाद के नाम पर दो-चार शब्दों का आदान-प्रदान, बस. ऐसी दशा बुजुर्गों को एकाकीपन और डिप्रेशन की ओर ढकेलती है. देश के 60 वर्ष से ऊपर के 14 करोड़ व्यक्ति कमोबेश इसके घेरे में हैं.

उम्र तो सरकती रहेगी...

बुढ़ापे पर कसो नकेल

पेड़ तले छोटे पौधे ठीक से नहीं पनपते

इसके उलट 60 वर्ष के युवा के लिए उम्रदारी का अर्थ यह नहीं कि घर-परिवार, समाज से दरकिनार होकर गुमसुम और मायूस रहा जाए. उसे ज्ञान होता है कि इस आयु में संतान से लिपटे-चिपटे रहना दोनों पक्षों में से किसी के हित में नहीं है, चूंकि युवा पीढ़ी की अपनी प्राथमिकताएं हैं. समय की बदलती नब्ज को भांपते हुए वह नित नए घटनाक्रम और अभिनव वस्तुओं, तकनीक, घटनाओं से बेरुख नहीं होगा, उनमें रुचि लेगा. पारिवारिक मामलों में वह अन्य सदस्यों के कार्य में हस्तक्षेप तो दूर, बिन मांगी सलाह भी नहीं देगा. वह जानता है इससे संबंधों में कटुता आ सकती है. जिजीविषा से अभिप्रेरित उम्रदराज को संशय नहीं रहता कि पेड़ तले छोटे पौधे ठीक से नहीं पनपते. वैचारिक मतभेद से उत्पन्न बेचारगी से वे उम्रदार प्रायः जूझते हैं जिन्होंने अपनी औसत बुद्धि संतान को उचित संस्कार नहीं दिए, बल्कि किसी भी जोड़तोड़ से पद, प्रतिष्ठा, पैसा जुटाना सिखाया. फिर उनसे वे उम्मीदें बांधी जिन्हें पूरा होना ही न था. जीवन के शेष दिन सुख-चैन से गुजारने के लिए संतान पर इतराने की अपेक्षा उन्हीं गतिविधियों में संलग्न रहा जाए जो आपके मन, चित्त और शरीर के लिए हितकर हों.

काम करते रहें

जिस मशीन से काम लेना बंद कर देते हैं, वह कालांतर में कबाड़ में तब्दील हो जाती है. काम करते रहेंगे या एक्टिव रहेंगे तो आपके शारीरिक अंग-प्रत्यंग तथा मस्तिष्क की कोशिकाएं सुन्न नहीं पड़ेंगी और दुरुस्त रहने के लिए आपके पास एजेंडा होगा. उत्साह चरम हो तो शरीर के अंग-प्रत्यंग साथ देते हैं. वही उम्रदार तन-मन से शेष दिन संतुष्टि से बिताते हैं जो सर्वप्रथम अपने बूते दैनंदिन कार्य संतोषजनक रूप से निपटाने में सक्षम हों. यहां अभिप्राय घरेलू कार्य के लिए परनिर्भरता घटाने से है. किसी बड़े मिशन से न जुड़े हों या कोई शौक न हो तो सत्संग, इच्छा के अनुकूल साहित्य का अनुशीलन, किचन-गार्डन, पक्षी पालन जैसी गतिविधि में मनोयोग से जुड़ जाएं.

खेल नजरिये का

वास्तविक परिस्थिति से बढ़कर वह सोच है जो व्यक्ति को खुश या दुखी रखती है, अर्थात खेल नजरिये का है. मनुष्य का जन्म, उसके विचार, उसका चिंतन और उसकी विवेकशीलता इहलोक की अस्मिताएं नहीं हैं. अतः इन तीनों के स्वरूप, उद्भव और कार्यप्रणाली के अनेक आयामों को भलीभांति समझने में विज्ञान गच्चा खाते रहे हैं. जब खलील जिब्रान ने कहा कि विचार अंतरिक्ष का पक्षी है जो पिंजड़े में फड़फड़ा भर सकता है, पंख नहीं खोल सकता. उनका आशय उस परम शक्ति को जानने-समझने से था, जिसके हम अभिन्न अंग हैं तथा मायावी अस्मिताओं के बदले उसी में चित्त लगाएंगे तो उम्रदारी बोझ नहीं बनेगी. सृष्टि का विधान है, आपकी भूमिका तभी तक रहेगी जब तक आप दूसरों के लिए उपयोगी रहेंगे. परिवारजनों, परिजनों के लिए कुछ करने की सोच मन में रहेगी तो दूसरों को आपसे मिलते लाभ से अधिक अहम आपका संतुष्टिभाव है, जो आपको रचनात्मक मुद्रा में रखेगा.

सीनियर STAR

47 साल की उम्र में भी ग्लोइंग स्किन

खिली-खिली रहती हैं उर्मिला

90 के दशक की मशहूर अदकारा 47 साल की उर्मिला मातोंडकर अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से आज भी लोगों के दिलों पर राज करती हैं. फिल्मी करिअर में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद वह बड़े पर्दे से लगभग गायब ही हो गई थीं लेकिन अब सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. उन्होंने अपने ब्यूटी सीक्रेट्स के बारे में बताया कि तेज धूप के कारण त्वचा को नुकसान न हो, इसके लिए वह खास स्किन केयर रूटीन फॉलो करती हैं. यही कारण है कि तेज धूप में काम करने के बाद भी उनकी स्किन खिली-खिली रहती है.

खीरे का पेस्ट

उनका कहना है कि त्वचा की क्लींजिंग करना बहुत जरूरी है. बिजी शेड्यूल के दौरान वह क्लींजर का इस्तेमाल करती हैं लेकिन जब वह फ्री होती हैं तो खीरे का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाती हैं. खीरे का पेस्ट त्वचा के लिए टोनर की तरह काम करता है, जिससे उनकी त्वचा हमेशा ग्लोइंग दिखाई देती है. वह जब काम पर नहीं होतीं तो ब्लशर व आई पेंसिल का इस्तेमाल नहीं करतीं. उनका मानना है कि इससे त्वचा को नुकसान होता है इसलिए वह जितना हो सके, इन्हें कम यूज करती हैं.

एक्सरसाइज और योग

उर्मिला रोजाना एक्सरसाइज व योग जरूर करती हैं. उनका कहना है कि एक्सरसाइज से पसीना आता है, जिससे बॉडी व त्वचा में मौजूद विषैले टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं. वहीं योगासन भी उन्हें फिट रखने के साथ स्किन को जवां बनाए रखने में मदद करता है.

खूब पीती हैं पानी

काम के चलते उर्मिला को दिनभर धूप में घूमना पड़ता है. ऐसे में वह अपने साथ एक पानी की बोतल जरूर रखती हैं. वह दिनभर में कम से कम 8-9 गिलास पानी पीती हैं. इसके अलावा वह दिन में एक बार जूस या स्मूदी का सेवन भी करती हैं. बिजी शेड्यूल के बावजूद भी उर्मिला पूरी कोशिश करती हैं कि वो पूरी नींद लें.

'वीकेयर' डिपॉजिट स्कीम

आम एफडी से मिलेगा ज्यादा ब्याज़

अगर आप अपने माता-पिता या घर के किसी बुजुर्ग के नाम पर एफडी कराने की सोच रहे हैं तो आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (**SBI**) की **WE-CARE** डिपॉजिट स्कीम में निवेश कर सकते हैं. यह स्कीम खास तौर पर सीनियर सिटीजन के लिए है. इसमें आपको आम एफडी से ज्यादा ब्याज मिलेगा. इसके साथ स्कीम के कई फायदे हैं. इसका लक्ष्य उनकी आय को सुरक्षित करना है. स्कीम का लक्ष्य 60 साल की उम्र से ज्यादा के लोगों को टर्म डिपॉजिट पर ज्यादा ब्याज दर उपलब्ध कराना है. स्कीम को मार्च 2022 तक बढ़ाने का एलान किया गया है.

अवधि एसबीआई की वीकेयर स्कीम में कम से कम 5 साल के लिए निवेश करना होगा. अधिकतम निवेश की अवधि 10 साल तय की गई है.

फीचर्स

- एसबीआई की वीकेयर स्कीम में एफडी पर 0.80 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज मिलता है.
- इस स्कीम के तहत एफडी पर ब्याज का भुगतान मंथली या क्वाटर्ली इंटरवल पर किया जाता है. ब्याज को ग्राहक के अकाउंट में डाला जाता है.
- स्कीम में लोन की सुविधा भी उपलब्ध है.
- इस स्कीम का फायदा नेट बैंकिंग, योनो एप या एप की ब्रांच के जरिये लिया जा सकता है.
- स्कीम में जमा राशि पर टीडीएस इनकम टैक्स एक्ट के तहत उपयुक्त दर पर रहेगा.
- स्कीम नए डिपॉजिट और मैच्योर हो रहे डिपॉजिट के रिन्यूअल पर उपलब्ध है.
- स्कीम का फायदा 2 करोड़ रुपये से कम के डिपॉजिट पर लिया जा सकता है.
- स्कीम के तहत, अगर आप डिपॉजिट राशि का मैच्योरिटी से पहले विद्ड्रॉल करते हैं तो 0.30 फीसदी के अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा.
- मैच्योरिटी से पहले विद्ड्रॉल पर 0.50 फीसदी का जुर्माना भी लगेगा.

ब्याज दर

इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 30 बेसिस प्वॉइंट्स का अतिरिक्त प्रीमियम मिलता है. यह सामान्य एफडी में सीनियर सिटीजन को मिलने वाले 50 बेसिस प्वॉइंट्स के अतिरिक्त फायदे के अलावा है. इससे उनको मिलने वाला कुल अतिरिक्त ब्याज 80 बेसिस प्वॉइंट्स हो जाता है. इस स्कीम में 60 साल या उससे ज्यादा की उम्र का कोई भी सीनियर सिटीजन निवेश कर सकता है.

सीनियर WONDER

हल्दी सेरेमनी में बुजुर्ग का धमाकेदार डांस

सोशल मीडिया पर वायरल लटके-झटके

पुरानी कहावत है- आप कितने जवान हैं, कितने बूढ़े हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. हर पल का मजा उठाना चाहिए. ऐसे ही एक जिंदादिली का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देख सकते हैं कि एक बुजुर्ग हल्दी सेरेमनी के दिन जमकर डांस करता हुए नजर आ रहे हैं. बुजुर्ग का डांस देखकर लोग उनके फैन हो गए हैं. वीडियो में आप देख सकते हैं कि हल्दी सेरेमनी में घर-परिवार के लोग बॉलीवुड सांग पर झूमकर नाच रहे हैं. इस इवेंट में बुजुर्ग शख्स भी डांस कर रहे होते हैं, जो कैमरे को देखते ही कमर मटकाने लगते हैं. हल्दी रस्म के दौरान डांस करने वाली महिलाओं के साथ बुजुर्ग शख्स भी डांस करने से नहीं चूके.

अलग-अलग अंदाज़ में तारीफ

सोशल मीडिया पर ये वीडियो लोगों को भी पंसद आ रहा है. यही वजह है कि कई यूजर्स ने वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया भी दर्ज कराई. एक यूजर ने कहा कि ये नजारा वाकई शानदार है. वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि इनका डांस तो बिल्कुल प्रोफेशनल की तरह है. इसके अलावा और भी कई यूजर्स ने इस वीडियो की अलग-अलग अंदाज में तारीफ की.

विनम्रता

बोधकथा

विश्वामित्र क्षत्रिय राजा थे, लेकिन तप-तपस्या करके ब्रम्हर्षि कहलाना चाहते थे और इसके लिए वे सदैव प्रयास करते रहते थे. ऋषि-मुनियों के समाज ने उनसे कहा कि जब तक कि वशिष्ठ मुनि आपको ब्रम्हर्षि नहीं कहेंगे, तब तक आप राजर्षि ही कहलाएंगे. विश्वामित्र को राजर्षि सुनना पसंद नहीं था और वशिष्ठजी उन्हें ब्रम्हर्षि नहीं कहते थे. वशिष्ठजी और विश्वामित्रजी में खींचतान चलती रहती थी. एक बार विश्वामित्र ने विचार किया कि आज चलें और वशिष्ठ को पराजित करके दबाव बनाएं तथा हिंसा से उसके मुंह से कहलाऊं कि विश्वामित्र ब्रम्हर्षि हैं. ये विचार करके विश्वामित्रजी वशिष्ठ के आश्रम पहुंच गए. रात थी, लेकिन चांदनी रात थी. उस समय वशिष्ठ जी अपनी पत्नी अरुंधति के साथ बैठे हुए थे और दोनों बातचीत कर रहे थे. अरुंधति ने कहा, 'आज वातावरण बहुत ही दिव्य है. देखिए कितनी निर्मल चांदनी है, कैसी उजली है.' आगे की बात पूरी करते हुए वशिष्ठ ने कहा, 'सचमुच आज की चांदनी विश्वामित्र की तपस्या के तेज की तरह है.' ये बात सुनने के बाद विश्वामित्र ने सोचा कि मैंने आक्रमण किया, इनके पुत्रों की हत्या की, सदैव इनकी निंदा की और ये मेरे तप के लेकर एकांत में पत्नी के सामने इतनी अच्छी टिप्पणी कर रहे हैं. वशिष्ठ की बात सुनकर विश्वामित्रजी को बड़ी ग्लानि हुई. अपने शस्त्र छोड़े और दौड़कर वशिष्ठजी के पैरों में गिर पड़े और प्रणाम किया. वशिष्ठ ने उन्हें उठाया और कहा- 'ब्रम्हर्षि विश्वामित्र, मैं आपका स्वागत करता हूं.' विश्वामित्र को समझ आ गया कि जब तक क्रोध, अहंकार, हिंसा, दुर्गुण नहीं छोड़ेंगे, तब तक कोई कैसे ब्रम्हर्षि बनेगा. वशिष्ठ ब्रम्हर्षि इसलिए हैं कि विश्वामित्र ने उनके प्रति इतना अपराध किया, फिर भी उन्हें क्षमा कर दिया. क्षमा करना बड़े लोगों का आभूषण है.

सीख - अगर हम अहंकारी हैं तो अच्छे लोग हमारे जीवन में नहीं आ पाएंगे. हमें सदैव विनम्र होना है. क्रोध, अहंकार और बुराइयों से बचना है, आचरण अच्छा रखना है, तभी हमें अच्छे लोगों से मान-सम्मान मिलता है.

रिसर्च जोन

अधूरी नींद का दिमाग़ पर असर

जरूरत से कम और जरूरत से ज्यादा नींद लेना, दोनों ही सेहत के लिए ठीक नहीं है. ऐसे लोगों में सोचने-समझने की क्षमता घटती है. यह दावा वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च में किया है. शोधकर्ता और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. ब्रेंडेन लूसी का कहना है, अधूरी नींद या ठीक से नींद न आने पर सीधा असर दिमाग पर पड़ता है. दिमाग पर पड़ने वाला यह असर आपकी सोचने-समझने की क्षमता और याद्दाश्त पर दिखता है.

75 साल की उम्र वालों पर शोध

शोधकर्ताओं का कहना है, अगर आप 8 घंटे की नींद ले रहे हैं और 30 मिनट पहले अलार्म सेट करते हैं तो साढ़े सात घंटे की नींद ब्रेन पर सकारात्मक असर डालती है. अल्जाइमर्स डिजीज यानी चीजों को भूलने की बीमारी के खतरे को कम करती है. औसतन 75 साल की उम्र वाले 100 बुजुर्गों पर हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि भी हुई. रिसर्च के लिए इन बुजुर्गों के माथे पर एक छोटा सा मॉनिटर बांधा गया. नींद के दौरान ब्रेन में किस तरह की एक्टिविटी हुई, इसे मॉनिटर से जांचा गया. औसतन साढ़े चार साल चली रिसर्च में सामने आया कि इसका ब्रेन की एक्टिविटी पर असर होता है.

प्रोटीन जिम्मेदार

मरीजों में भूलने की बीमारी अल्जाइमर्स के लिए एक खास तरह का प्रोटीन जिम्मेदार होता है. रिसर्च में शामिल बुजुर्गों के ब्रेन के सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड में उस प्रोटीन का स्तर क्या है, इसे जांचा गया. जिन मरीजों ने हर रात करीब 7.5 घंटे की नींद ली, उनकी सोचने-समझने की क्षमता यानी कॉग्निटिव स्कोर बेहतर मिला. वहीं, जिन लोगों ने रोजाना 5 या साढ़े पांच घंटे की नींद ली, उनमें यह स्कोर कम मिला. इससे पहले हुई रिसर्च में यह सामने आया था कि आधी-अधूरी नींद से अल्जाइमर्स बीमारी का कनेक्शन है. याद्दाश्त घटने, भ्रम सा महसूस होने और नई चीजों को देरी से समझना अल्जाइमर्स के लक्षण हैं. इनसे बचना है तो कम से कम साढ़े 7 घंटे की नींद जरूर लें.

गुनगुना दूध पिएं

चीनी वैज्ञानिकों की हालिया रिसर्च में यह साबित हुआ है कि गुनगुना दूध पीने से अच्छी नींद आती है. चीन के नेशनल नेचुरल साइंस फाउंडेशन की रिसर्च में सामने आया है कि दूध में ट्रिप्टोफन नाम का अमीनो एसिड पाया जाता है. इसके अलावा रिसर्च में यह भी सामने आया कि इसमें मिल्क पेप्टाइड कैसीन हाइड्रोलिसेट भी पाया जाता है जो तनाव को घटाता है और नींद में सुधार लाता है. यह यह दोनों चीजें मिलकर अनिद्रा की समस्या दूर करती हैं.

4-7-8 तकनीक से अनिद्रा दूर

रात को नींद नहीं आती है तो सांस लेने की 4-7-8 तकनीक अपना सकते हैं. इसे अमेरिका के एरिजोना यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. एंड्रयू वेल ने तैयार किया है. यह तकनीक प्राणायाम पर आधारित है. लम्बे समय तक इस तकनीक को अपनाते हैं तो जल्दी नींद आने लगती है. इसे करने के लिए किसी शांत स्थान पर आरामदायक स्थिति में बैठ अथवा लेट जाएं. पॉश्चर सही हो. अगर नींद के लिए इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं तो लेटना ज्यादा बेहतर है. अब जीभ के अगले हिस्से तो दांतों के ठीक पीछे तालू से लगा लें. पूरी प्रैक्टिस के दौरान इसे ऐसे ही लगाकर रखें.

इंस्पायर जोन

104 साल की महिला को मिले 89 प्रतिशत नंबर

साक्षरता के मामले में केरल देश का सबसे अग्रणी राज्य है. केरल के शिक्षा मंत्री वासुदेवन शिवनकुट्टी ने राज्य सरकार की सतत शिक्षा पहल द्वारा आयोजित एक परीक्षा में अच्छा स्कोर करने के बाद 104 वर्षीय कुट्टियम्मा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है. उन्होंने लिखा, 'कोट्टायम की 104 वर्षीय कुट्टियाम्मा ने केरल राज्य साक्षरता मिशन की परीक्षा में 89/100 अंक प्राप्त किए हैं. ज्ञान की दुनिया में प्रवेश करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है. अत्यंत सम्मान और प्रेम के साथ, मैं कुट्टियम्मा और अन्य सभी नए शिक्षार्थियों को शुभकामनाएं देता हूं.' केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित है और इसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए साक्षरता, सतत शिक्षा और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना है. वर्तमान में यह चौथी, सातवीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए समकक्षता कार्यक्रम प्रदान करता है.

बायोमेट्रिक आधारित डिजिटल सेवा

5 मिनट में जीवन प्रमाणपत्र

आप सेवानिवृत्त बुजुर्ग कर्मचारी हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं तो पेंशन में देने को जीवन प्रमाणपत्र बनाने के लिए घबराने की जरूरत नहीं है. डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने पेंशनभोगियों के लिए एक बायोमेट्रिक आधारित डिजिटल सेवा की शुरुआत की है. डाकिया घर पर ही मात्र 5 मिनट में ही बायोमेट्रिक से जीवन प्रमाणपत्र जारी कर रहा है.

सीनियर LOVE

पहली मुलाक़ात में हुआ प्यार

57 वर्षीय शख़्स ने रचाई 24 साल की लड़की से शादी

जोनथन यूबैंक्स नाम के एक 57 वर्षीय शख्स ने 24 साल की रॉक्साना से इसी साल शादी की है. दोनों की उम्र के बीच 33 साल का फर्क है. जोनथन की पहले से 2 बेटियां हैं, जो उम्र में अपनी नई मां रॉक्साना से बड़ी हैं. जोनथन की पहली बेटी 36 साल की है और दूसरी बेटी 33 साल की है.

इसी के साथ उनके 3 नाती भी हैं. कपल के इस रिश्ते से परिवार का कोई भी सदस्य खुश नहीं है. यहां तक कि उनकी शादी में रॉक्साना के पैरेंट्स शामिल भी नहीं हुए थे. दोनों शादी के बंधन में इसी साल आए हैं. जोनथन ने कहा, 'मैं अपनी पत्नी के साथ कहीं भी जाता हूं तो लोग हमें घूरने लगते हैं. शुरू में रॉक्साना काफी परेशान रहती थीं. वो डरती थीं कि कहीं उनकी शादी नहीं हुई तो वो टूट जाएंगी, मगर शादी के बाद से हम दोनों बेहद खुश हैं'.

उन्होंने कहा, 'रॉक्साना से मेरी पहली मुलाकात 3 साल पहले कैलिफोर्निया में हुई थी, जहां मैं रहता था. तब रॉक्साना 21 साल की थीं और मैं अपनी पत्नी से तलाक लेकर रॉक्साना की ही बिल्डिंग में एक अपार्टमेंट में शिफ्ट हुआ था. हमें दोनों को ही पहली मुलाकात में एक दूसरे से अट्रैक्शन होने लगा था और धीरे-धीरे हम एक दूसरे के काफी करीब आ गए थे. मेरी बेटियों को रॉक्साना बहुत अच्छी लगती हैं और वे उन्हें मां कहकर ही पुकारती हैं.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

07

जयपुर >> शनिवार, 14 मई, 2022

कांग्रेस के चिंतन शिविर का मतलब गांधी परिवार से शुरू और गांधी परिवार पर ही ख़त्म इससे आगे कुछ नहीं: डॉ. सतीश पूनियां

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिये बयानों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पलटवार कर कहा कि, कांग्रेस के चिंतन शिविर में वही रटी-रटाई बातें हो रही हैं जिनसे गांधी परिवार खुश होता है, और परिवार वाद इस कदर हावी है कि पूरी कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार के सामने नतमस्तक है, इससे आगे कांग्रेस की कोई सोच नहीं है, ना कोई विजन है, सिर्फ परिवारवाद की राजनीति के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस सिमट गई है।परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार इत्यादि के कारण ही कांग्रेस पूरे देश से सिमट चुकी है, केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बची है, इन दो राज्यों से भी आने वाले चुनावों में कांग्रेस मुक्त हो जायेगी।

कांग्रेस के चिंतन शिविर में सोनिया गांधी कह रही हैं कि अल्पसंख्यकों तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, क्या सोनिया गांधी को यह पता नहीं है कि कांग्रेस सरकार के शासन में करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा, भरतपुर और नोहर में हिंसा भड़की, कोटा में पीएफआई की रैली को इजाजत किसने दी, क्या सोनिया गांधी को प्रदेश में बहुसंख्यकों पर अत्याचार नहीं दिखते?

इन क्षेत्रों में हिंसा पीड़ितों से मिलने आज तक अशोक गहलोत नहीं गये, हिंसा करने वाले लोगों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, सरकार सिर्फ लीपापोती कर रही है, एक पक्ष के दोष को छुपाने के लिये दूसरे पक्ष के लोगों को फंसाया जा रहा है, ऐसा कांग्रेस तुष्टिकरण कर वोट बैंक के लिये कर रही है। आजादी से लेकर 50-55 वर्षों तक अल्पसंख्यकों को कांग्रेस ने सिर्फ वोट बैंक तक ही सीमित रखा, इनके विकास व संबल के लिये अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पिछले 8 वर्षों से मोदी सरकार में कार्य हो रहे हैं।

मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प के साथ देश के हर के उत्थान के लिये कार्य कर रही है।सोनिया गांधी को कांग्रेस के चिंतन शिविर से कोई संदेश देना है तो अशोक गहलोत को कहें कि किसान कर्जमाफी का वादा पूरा करें। अशोक गहलोत को याद रखना चाहिये कि देश पर इमरजेंसी कांग्रेस के शासन में थोपी गई, लोगों को जेलों में डाल दिया गया, अब कांग्रेस के शासन में ही राजस्थान में जनहिते के मुद्दों की आवाज उठाने वाले पत्रकारों व भाजपा नेताओं के खिलाफ षडयंत्र करके झूठे मुकदमे दर्ज करवाये जा रहे हैं, वहीं कांग्रेस के कई विधायकों के बेटों को दुष्कर्म के मामलों में आरोपी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जनता 2023 में प्रदेश से कांग्रेस को हमेशा के लिये विदा करने को अभी से तैयार बैठी है।

गांधी परिवार खोते अस्तित्व की चिंता तक सीमित रहा: अरूण चतुर्वेदी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस पार्टी के आयोजित चिंतन शिविर के बारे में कहा कि देश के महत्वपूर्ण विषयों के चिंतन की बजाय गांधी परिवार की चिंता प्रमुखता से शिविर में हावी रही। शिविर जिन अपेक्षाओं को लेकर शुरू किया गया जिसमें देश व प्रदेश की जनता को निराशा हाथ लगी, अपेक्षाओं के उलट शिविर में राजस्थान में जिस प्रकार से योजनाबद्ध तरीके से बहुसंख्यक वर्ग के अधिकारों का हनन, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों पर हिंसा और करौली, जोधपुर, छाबड़ा व भीलवाड़ा जैसी घटनाओं पर मुख्यमंत्री का स्वंय आगे आकर यह बयान देना कि प्रदेश में कही दंगा नहीं हुआ। प्रदेश के युवा, महिला, किसान, बेरोजगार की अपेक्षा पर कुठाराघात हुआ साथ ही प्रदेश की बहन-बेटियों से दुष्कर्म पर कांग्रेस के आला नेताओं के द्वारा जिक्र तक नहीं करना कांग्रेस की जनता के प्रति चिंता दर्शाता है।

चतुर्वेदी ने बताया कि एक बार फिर कांग्रेस के नेताओ में गांधी व नोन गांधी का भेद स्पष्ट नजर आया। देशभर में कांग्रेस पार्टी, विशेषकर गांधी परिवार के वन, टू एवं थ्री लीडरशीप की स्वीकार्यता जनता में समाप्त हो जाने कि चिंतां अधिक प्रभावी दिख रही है।कांग्रेस चिंता शीर्ष नेतृत्व की जनता के बीच स्वीकार्यता समाप्त होना है। सोनिया गांधी व कांग्रेस नेता यह ना भूले कि इस शिविर का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आठ वर्षो में देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा का मजबूत होना,सामाजिक क्षेत्र में लोक कल्याणकारी योजनाओं से आमजन का लाभान्वित होना तथा विश्व में मोदी व भारत की बढती लोकप्रियता की छत्रछाया में हो रहा है।

वर्तमान हालातों को लेकर भाजपा पर कांग्रेस पार्टी ने जमकर निशाना साधा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नवसंकल्प चिंतन शिविर को लेकर राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरजेवाला, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संयुक्त रूप से पत्रकारों से बातचीत की।तीनों नेताओं ने देश के वर्तमान हालातों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि आज मोदी सरकार देश को रुढ़िवादिता की ओर ले जा रही है। रोज नया हिन्दू-मुस्लिम विवाद पैदा किया जाता है। लोगों की आंख पर पट्टी बांध दी जाती है। हर राज्य में चुनाव से पहले दंगे शुरू हो जाते हैं। उत्तराखंड, यूपी और गोवा में चुनाव हो गए इसलिए वहां दंगे होना भी बंद हो गए। मगर अब कर्नाटक और राजस्थान में चुनाव हैं तो वहां दंगे हो रहे हैं।दंगों का पैटर्न समझना चाहिए। जहां सिख है वहां हिन्दू और सिख, जहां मुस्लिम हैं वहां हिन्दू और मुस्लिम और जहां ईसाई हैं वहां हिन्दू और ईसाई के बीच तनाव पैदा किया जाता है। भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति करती है। विषैला माहौल पैदा किया जा रहा। इस दौरान सुरजेवाला ने मोदी सरकार को देश के आर्थिक हालातों, गिरता रुपया, देश पर लगातार बढ़ता कर्ज, पेट्रोल-डीजल, गैस के बढ़ते दाम, महंगाई, बेरोजगारी और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने इस दौरान देश के किसानों, दलितों और आदिवासियों की भी बात की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में बढ़ रहे अपराध के मामलों को लेकर कहा कि कौनसा राज्य है। जहां रेप नहीं होते, मर्डर नहीं होते। उन्होंने कहा कि हमने एफआईआर कम्पलसरी किया है। इसलिए आंकड़े बढ़े हुए दिखने लगे हैं। सीएम गहलोत ने कहा कि देश में सीबीआई, ईडी का तांडव हो रहा है। कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी है। मैं उम्मीद करता हूं कि ये शिविर बेहद कामयाब रहेगा। इससे कांग्रेस एक मैसेज देने में सफल होगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि 70 साल का हिसाब मांगने वालों ने 7 साल का हिसाब नहीं दिया है। इनके कुशासन से देश में अघोषित आपातकाल लग गया है। कांग्रेस मुक्त भारत की बात इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि कांग्रेस के डीएनए में राष्ट्रवाद है। जबकि इनका राष्ट्रवाद छल है।

डोटासरा ने कहा कि पूरे देश में धर्म के आधार पर जिस तरह का उन्माद फैलाया जा रहा। मोदी सरकार सिर्फ धन्ना सेठों की वजीर बनकर बैठी है। हम नया संकल्प लेंगे, उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में वर्ष 2023 में गुड गवर्नेंस से राजस्थान में भी सरकार बनाएंगे और वर्ष 2024 में देश में मोदी सरकार का सूपड़ा साफ करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, अल्का लाम्बा, रागिनी नायक सहित अन्य मौजूद रहे।

जयपुर में कल प्रेसवार्ता के तुरंत बाद डॉ किरोड़ी लाल फिर घिर गए पुलिस के घेरे में

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पुलिस के साथ 13 मई को एयरपोर्ट रोड स्थित होटल से प्रेसवार्ता के बाद पुलिस घेरे में कमिश्नरेट जाते हुए।

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा को कल दोपहर जयपुर एयरपोर्ट के पास एक निजी होटल से प्रेसवार्ता के तुरंत बाद पुलिस घेरा बनाकर फिर कमिश्नरेट ले गई। काफी देर तक कमिश्नरेट में ठहरने और पुलिस की समझाइश के बावजूद जब किरोड़ीलाल उदयपुर में आदिवासी सम्मेलन में जाने पर अड़े रहे तो कड़ी सुरक्षा के साथ पुलिस की गाड़ियों के बीच उन्हें उदयपुर जाने की मौखिक परमिशन दी गई। लेकिन पुलिस सतर्क है कि सांसद कहीं चिन्तन शिविर की ओर रुख ना कर लें। इसलिए उन्हें एस्कॉर्ट करके ही आदिवासी सम्मेलन तक लाने-छोड़ने के बंदोबस्त किए गए हैं।

भाजपा सांसद डॉ.किरोड़ीलाल मीणा ने कहा पुलिस कमिश्नर ने मुझसे बात की है। मैंने उन्हें कहा मैं उदयपुर निकलना चाहता हूं। तो कमिश्नर ने कहा कि पहले मैं आपके साथ मीटिंग करना चाहता हूँ। प्रतापगढ़ के धरियावद में आज से आदिवासियों का बड़ा सम्मेलन है। जहाँ 1 लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा होगी। वहां मुझे संबोधन के लिए बुलाया गया है। लेकिन शक है कि शायद मुझे वहाँ जाने नहीं देंगे।

डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कहा जयपुर से मैं सोनिया गांधी को निवेदन करना चाहता हूँ कि सीएमओ के निर्देश पर कानून ताक पर रखकर जो होटल बनाई है।वहाँ पर कांग्रेस अधिवेशन गलत है। उस जगह से हटकर दूसरी जगह कांग्रेस का चिन्तन शिविर चाहिए। गरीबों की जमीन पर खड़े उस महल पर अब नहीं तो बाद में हम कार्रवाई करवाएंगे। गहलोत सोनिया गांधी की आँखों पर परदा डाल रहे हैं। यह भ्रष्टाचार और अनियमितता से बनी होटल है। सोनिया गांधी से कहना चाहूंगा कि वह सीएम गहलोत को कहें कि इस मामले को सीबीआई को दें ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को झांसा दे रहे 2 आरोपी गिरफ्तार

15 लाख में कर रहे थे बेरोज़गार युवकों को कॉन्स्टेबल में भर्ती कराने का सौदा

हिलव्यू समाचार

भिवाड़ी। जिला स्पेशल टीम तथा मांढ़ण थाना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई कर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों को अनुचित तरीके से पास कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर गांव नांगल मेहता निवासी अमित कुमार यादव पुत्र ईश्वर सिंह (31) एवं गांव कान्हावास् थाना मांढ़ण निवासी दीपक उर्फ गौरी शंकर यादव पुत्र मुकेश उर्फ रामजस को गिरफ्तार कर दोनों के पास से जब्त मोबाइल से भर्ती संबंधी व्हाट्सएप चैट प्राप्त की गई है। गिरफ्तार आरोपी 15 लाख रुपए में सौदा कर बेरोजगार युवकों को परीक्षा से पेपर पहले पेपर दिखाकर पास करवाने का झांसा दे रहे थे। भिवाड़ी एसपी शांतनु कुमार ने बताया कि कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के संबंध में जारी दिशानिर्देश और विगत वर्षों में भर्ती परीक्षाओं में संगठित गिरोह द्वारा स्मार्ट गैजेट का प्रयोग कर नकल कराने के प्रयास किए जाने को ध्यान में रखते हुए ऐसे गिरोहों और सन्दिग्ध व्यक्तियों पर पर सतत निगरानी रखी जा रही थी। ऐसे संगठित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सेल अतुल साहू के सुपरविजन में प्रभारी डीएसटी मुकेश कुमार एसआई को निर्देश दिए जाकर विशेष टास्क दिया गया था।

राज्यपाल कलराज मिश्र 20 मई को करेंगे रेलयात्रा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र आगामी 20 मई को ट्रेन से आबूरोड की यात्रा करेंगे।गर्मियों में हर साल आबूरोड शिफ्ट होने वाला राजभवन इस बार 20 मई से वहाँ काम करेगा। रेलवे से राज्यपाल मिश्र के लिए एक एसी सैलून और एक फर्स्ट एसी कोच उपलब्ध कराने की अनुमति दी है। रेलवे से दोनों कोच वाराणसी-अहमदाबाद एक्सप्रेस में लगाने के लिए कहा गया है। करीब दस साल पहले तत्कालीन राज्यपाल मार्गेट अल्वा ने भी ट्रेन से ही सफर तय किया था। इस संबंध में राजभवन द्वारा रेलवे को एक क्रेडिट नोट दिया जाता है।सैलून में राज्यपाल मिश्र के साथ उनके बेहद नजदीकी स्टाफ जैसे एडीसी या अन्य सफर करेंगे, जबकि फर्स्ट एसी कोच में राजभवन का अन्य स्टाफ सफर करेगा। वहीं 20 मई को इस ट्रेन की सुरक्षा और समयपालन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

अवैध खनन गतिविधियों को रोकने के लिए चलेगा अभियान: जिला कलक्टर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जिला कलक्टर श्री राजन विशाल ने कहा कि जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने के लिये सतत अभियान संचालित किया जाए। अभियान के दौरान खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जाए।

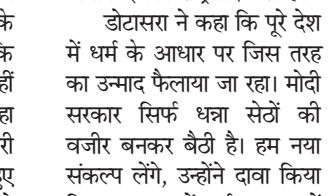

जिला कलक्टर सोमवार को अवैध खनन को रोकने के संबंध में सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र में अवैध खनन किया जाता है तो ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाकर पर्यावरण नियम एवं अधिनियमों के तहत कार्यवाही की जाए। उन्होंने सरकारी सम्पति को नुकसान पहुँचाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पीडीपीएक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाने के निर्देश दिये। अवैध खनन कर्ताओं के विरूद्ध 4/21 एमएमडीआर एक्ट के साथ-साथ आईपीसी की धारा 379 के तहत मुकद्में दर्ज कराया जाए। उन्होंने कहा कि बूचारा एवं बनेडी बाध में पुलिस राजस्व सिचाई एवं खनन विभाग द्वारा संयुक्त जांच की जाए। डूब क्षेत्र में पड़ने खाले खनन पट्टों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर अवैध खनन के विरूद्ध संबंधित धाराओं में मुकद्में दर्ज किये जाए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) श्री दिनेश कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सितंबर माह से यात्रा प्रारंभ करने व जून माह से ऑनलाइन आवेदन लेने के दिए निर्देश

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने अधिकारियों को आगामी सितंबर माह से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना प्रारंभ करने तथा जून माह से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि तीर्थ यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। रावत को देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजनान्तर्गत विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सम्बंधित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा योजनान्तर्गत रेल यात्रा द्वारा देश के 12 धार्मिक स्थलों की व हवाईजहाज द्वारा पशुपतिनाथ-काठमांडू (नेपाल) की यात्रा करवाई जाएगी। रावत ने कहा कि तीर्थ यात्रा में पहली बार 20 हजार यात्रियों को देशभर के तीर्थ स्थलों तक ले जाया जाएगा।

सुब्रतराय सहारा कोर्ट से बड़े नहीं हो सकते हैं, उन्हें हर हाल में आना ही होगा: पटना हाइकोर्ट

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। सहारा इंडिया परिवार के चेयरमैन सुब्रत राय की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पटना उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ़ गिरफ़्तारी वारंट जारी कर दिया । अदालत ने उन्हें शुक्रवार 13 मई सुबह 10:30 बजे राय को पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए ऐसे में उनके खिलाफ़ गिरफ़्तारी वारंट जारी कर दिया गया। पटना हाईकोर्ट में सहारा इंडिया की विभिन्न स्कीमों में उपभोक्ताओं द्वारा जमा किए गए पैसों के भुगतान को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई चल रही हैनिवेशकों का पैसा नहीं लौटाने के मामले में जस्टिस संदीप कुमार ने गुरुवार को उनका अंतरिम आवेदन खारिज कर दिया था। हर हाल में 13 मई को सुबह 10:30 बजे कोर्ट में सशरीर होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि वे नहीं आए तो गिरफ़्तारी का वारंट जारी किया जाएगा। लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद सुब्रत राय पटना हाईकोर्ट नहीं आए तो कोर्ट ने सख्ती से क़दम उठाया । अगली सुनवाई 17 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक अंतरिम रोक लगा दी है। मामले में अगली सुनवाई 19 मई को होगी।

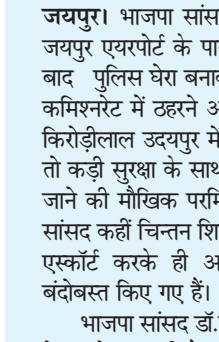

संतूर ध्वनि साधक पंडित शिव कुमार शर्मा : एक पूरा संगीत संसार

भारत के जाने-माने शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थे पंडित शिवकुमार शर्मा जिन्होंने फिल्मों में भी संगीत दिया और उन्हें 1986 में संगीत नाटक अकेडमी अवार्ड मिला। 1991 में पद्म श्री, 2001 में पद्मविभूषण से उन्हें सम्मानित किया गया।

दोस्तों, आप कभी किसी पर्वतों से बहती दरिया या झरने के समीप आँखें मूँद कर ध्यान करेंगे तो वहाँ गूंजती सदाओं में आपको सुनाई देंगी पंडित शिव कुमार शर्मा के जादू में आप्लावित संतूर पर बज रहे 'माउंटेन' की मधुर ध्वनियाँ! जैसा कि अपने सिक्किम प्रवास के तीन वर्षों के दौरान मैं स्वयं सुना करती थी तीस्ता के किनारे निर्मित अपने निवास से रात दिन ! या महाबलेश्वर की सह्याद्रि पहाड़ियों से ; या शिमला की जाखू से; या मुन्नार की मुथिरपुझा, नल्लथन्नी और कुंडल पर्वत श्रृंखला से; या ऊटी के नीलगिरी से ; या फिर पेंच और कान्हा की सतपुडा से ।

और हो भी क्यूँ ना ! पंडित जी का संतूर वादन महज़ बचपन से किया गया स्वर-साधन नहीं था , उनके वादन में तो समाई थी उनके पिता पंडित उमादत्त शर्मा जी के हृदय में बसी एक क़स्मि की अद्भुत आश्वस्ति कि ये बालक जो आज तबले में सिद्धहस्त है , एक दिन दुनिया के फ़लक पर अपना नाम संतूरवादन में दर्ज़ करेगा। जी हाँ दोस्तों, आप शायद ये बात ना जानते हों, पंडित जी अपने बचपन में तबले के दक्ष फनकार रहे हैं। उन्होंने खुद ये बात ज़ाहिर की थी कि 'गाइड' चलचित्र के मशहूर शास्त्रीय संगीत आधारित गीत 'मोसे छल किये जाये' में उन्हीं ने तबलावादन किया है। लेकिन अपने पिता की भविष्यवाणी को सार्थक करते हुए उन्होंने संतूर को इतनी कोमलता से साधा कि जम्मू के इस लोकवाद्य की स्वरलहरियाँ संपूर्ण विश्व के आसमानों कर विस्तार पा चुकी हैं।

संतूर भारतवर्ष का प्राचीनतम वाद्ययंत्र है जिसका इतिहास हम वेदों ने पाते हैं। सामवेद की ऋचाओं का गायन , अर्थात् 'सामगान ' में जिन तीन वाद्ययंत्रों 'वाण' , वेणु'और 'वीणा ' की संगति हुआ करती थी , उन्हीं में से एक 'वाण' नामक वाद्य ही संतूर है। इसमें सौ तारों के होने के कारण कालांतर में इसे 'शततंत्री-वीणा' कहानजाने लगा जो शनैः शनैः अपभ्रंश होकर 'संतूर' नाम को प्राप्त हुआ।

संतूर कश्मीर का लोकवाद्य रहा है और मूलतः संगत के लिए ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसा कहा जाता है कि कश्मीर के ख़ैबर-दर्रे के ज़रिये आने वाले विदेशी हमलावरों में से एक तैमूर लंग वहाँ की

कलाओं को नुक़सान पहुता कर संतूर को ईरान ले गया और इसे ईरानी साज़ घोषित कर दिया ।

एक लोकवाद्य पर शास्त्रीय संगीत की रागों को जीवंत कर देने जैसा असाध्य कार्य पंडित जी ने कर दिखाया । संतूर के तारों पर जब पंडित जी अपनी क़लम थिरकाते थे , तो यूँ लगता था मानो जम्मू से गुजरने वाली झेलम, चिनाब, रावी और इंडस, ये चारों नदियाँ बच्चियाँ बन गई हों और अपने सुनहरे भविष्य के प्रति आश्वस्त खिलखिलाती हुई शाला को गमन कर रही हों ; जैसे उन्हें बड़े प्यार और मान-मनुहार से तालीम के फ़ायदे बताए गये हों ; उनकी राह से तमाम काँटों-कंकरों को दूर कर पथ को गुलाबों की कोमल पंखुड़ियों से सुसज्जित किया गया हो । ये अतिरंजना नहीं सत्य है कि पंडित जी क़लमों (वो डंडियाँ जिनसे संतूर बजाया जाता है, उन्हें 'क़लम' कहते हैं ।) को ऐसे अनोखे ढंग से उँगलियों के मध्य रखकर तारों पर प्रहार करते थे कि आघात बहुत हल्का होता था। संतूर के एक अन्य वादक पंडित ओमप्रकाश चौरसिया के अनुसार इस तकनीक से क़लम पकड़ने के ढंग में नियंत्रण बेहद मुश्किल होता है। पर पंडित जी तो पंडित जी ही थे न! उनके लिए कैसी मुश्किल! स्वर उनके लिए घर्षण से उत्पन्न नियत आवृत्ति वाले नाद नहीं अपितु स्वयं ईश्वर के प्रतिरूप ही थे। इसीलिए ऐसा संभव हुआ। गत दस मई को स्वयं अपने ईश्वर में विलीन हो पंडित शिव कुमार शर्मा ये दुनिया छोड़ गये । उनका संगीत सदैव विश्व के फ़लक पर गुंजायमान रहेगा।

■ डॉ कविता माथुर

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

राजपूत सभा जयपुर महानगर के अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ व कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पांच बत्ती स्थित राजपूत सभा भवन मे राजपूत सभा जयपुर महानगर के अध्यक्ष के गणपतसिंह राठौड़ पुनः अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर आज नवगठित कार्यकारिणी को राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष श्री राम सिंह चंदलाइ ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह नाथावत, जय सिंह शेखावत, महामंत्री फतेह सिंह गौड़, सह मंत्री नरेंद्र सिंह राठौड, संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह खंगारोत, कोषाध्यक्ष प्रताप सिंह शेखावत, महिला प्रकोष्ठ संयोजक श्रीमती राजेश कवर, कार्यकारिणी सदस्य शिवराज सिंह राजावत, सुरेंद्र सिंह राठौड़, श्योजी सिंह राजावत, शेर सिंह नाथावत, निरंजन सिंह शेखावत, गिरिराज सिंह बेस,डा. अशोक सिंह शेखावत, जितेंद्र सिंह शेखावत, जयदेव सिंह रूडल,राधे श्याम सिंह तंवर, दलीप सिंह गौड़, पुष्प सिंह शेखावत, के डी सिंह राजावत, जगमोहन सिंह राठौड़ आदि को शपथ दिलाई। इस अवसर पर राजपूत सभा जयपुर के संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह, ग्रामीण अध्यक्ष मोती सिंह सांवली, भवानी निकेतन शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष नगेंद्र सिंह राठौड़, भारतीय क्षत्रिय महासंघ के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ सहित कई सामाजिक संगठनो, राजपूत सभा जयपुर महानगर के तहसील इकाई व वार्ड अध्यक्षो ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ व कार्यकारिणी को माल्यार्पण कर भव्य स्वागत करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम में प्रसिद्ध चित्रकार मंजू शेखावत ने हाथ से बनाई श्री राठौड़ का चित्र, व श्री दशरथ सिंह शेखावत ने वीर दुर्गादास राठौड़ का तेल चित्र भेंट किया।राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष ने समाज उत्थान हेतु कार्य करने व कई योजनाओं की जानकारी दी। महामंत्री बलवीर सिंह हाथोज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन प्रदीप सिंह राजावत ने किया।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2022 सम्पन्न

जयपुरवासियों ने खरीदे एक करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक के मसाले

बिक्री की दृष्टि से शीर्ष सहकारी संस्थाओं में कॉनफैड, जिला भण्डारों में कोटा उपभोक्ता भण्डार एवं केवीएसएस में भीनमाल पहले स्थान पर रहा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुरवासियों ने यहां जवाहर कला केन्द्र पर आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2022 में 1.40 करोड़ रुपये से अधिक के मसालों की खरीद की। 30 अप्रेल से प्रारम्भ हुये मेले का सोमवार, 09 मई को समापन हो गया है। सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल ने श्रेष्ठ स्टॉलों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह मेला सहकारी समितियों के व्यवसाय में वृद्वि करने के अच्छे प्रयास का एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करता है।

रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल ने बताया कि सहकार मसाला मेले का वास्तविक लाभ किसानों और आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए सहकारी संस्थाओं के विशेष उत्पाद सहकारिता के भण्डारों पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को कॉनफैड के माध्यम से पहली बार 15 जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने की शुरूआत की गई है।

रजिस्ट्रार ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता सीधे रूप में 3 करोड़ से अधिक लोगों से जुडी हुई है और यह उनकी मुस्कराहट का एक कारण है। उन्होंने कहा कि हम सहकारी संस्थाओं को आमजन की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करेंगे और उन्हें वन स्टॉप के रूप में विकसित कर एक ही छत के नीचे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवायें उचित मूल्य पर उपलब्ध करायेंगे।

उन्होंने बताया कि सहकार मसाला मेले में सर्वाधिक बिक्री के लिए अन्य प्रदेशों में केरल स्टेट कोऑपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन, शीर्ष संस्थाओं में कॉनफैड, जिला भण्डारों में कोटा सहकारी उपभोक्ता भण्डार व क्रय विक्रय सहकारी समितियों में भीनमाल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

अग्रवाल ने बताया कि सहकार मेलों के माध्यम से आमआदमी तक सहकारी उत्पादों की पहुंच होने लगी है और इससे सहकारिता की विश्वसनीयता बढ़ी है, उपभोक्ताओं को फायदा होता है और सहकारी संस्थाओं के कारोबार में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला की सफलता के लिए जयपुरवासियों, मीडिया एवं इससे जुड़े अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई दी। रजिस्ट्रार ने बताया कि सहकार मसाला मेले को जयपुरवासियों के प्रेम और रेस्पांस से सहकारी संस्थाओं मे नया उत्साह आया है। उन्होंने बताया कि सहकार मेले से सहकारी संस्थाओं में व्यावसायिक समझ पैदा हुई है।

उन्होंने बताया कि 30 अप्रेल से आयोजित सहकार मेले में कारोबार एवं डिसप्ले की दृष्टि से समितियों को पुरस्कृत किया गया है। इनमें बिक्री के आधार पर शीर्ष संस्थाओं में प्रथम कॉनफैड, द्वितीय स्थान तिलम संघ व तृतीय स्थान पर जयपुर डेयरी रहा। क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में प्रथम भीनमाल, दूसरा मथानिया एवं तीसरा स्थान आबूरोड का रहा। इसी तरह से जिला उपभोक्ता भण्डारों की श्रेणी में कोटा, उदयपुर व जोधपुर क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

वीसी के माध्यम से फील्ड अभियंताओ के साथ बैठक

हर माह होगी जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षाः डॉ. सुबोध अग्रवाल

समस्याएं गिनाने की बजाय कार्य तय समय में पूरे करने पर करें फोकस

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि फील्ड में कार्य कर रहे अभियंता समस्याएं गिनाने की बजाय जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को समय पर हासिल करने पर फोकस करें। उन्होंने आंकड़ों की बाजीगरी दिखाने के स्थान पर जल जीवन मिशन के कार्य मिशन मोड पर करने के निर्देश दिए और कहा कि जिन कार्यों के वर्क ऑर्डर हो चुके हैं उनमें तेजी लाई जाए।

डॉ. अग्रवाल बुधवार को जल भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से फील्ड अभियंताओं एवं मुख्यालय के अधिकारियों के साथ जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति एवं गर्मियों में पेयजल प्रबंधन की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नल के माध्यम से हर घर जल पहुंचाने के इस पुण्य कार्य को एक कर्मयोगी की तरह करते हुए जेजेएम के समस्त कार्य मार्च, 2024 से पहले ही पूरे करने को कहा। उन्होंने मुख्य अभियंता जेजेएम को निर्देश दिए कि समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें ताकि फील्ड में मौजूद अधिकारी मिशन के कार्यों को गति दे सकें। उन्होंने अधीक्षण अभियंताओं से जिलेवार समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली।

16 मई को होगी जिला कलेक्टर्स के साथ वीसी: अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 16 मई को जिला कलेक्टर्स के साथ होने वाली वीसी से संबंधित मुद्दों की भी जानकारी ली और कहा कि अधीक्षण अभियंता पेयजल प्रबंधन में जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं 13 मई को कोटा के दौरे पर जाकर जेजेएम के कार्यों की प्रगति की जानकारी लेंगे। साथ ही, उन्होंने एसीएस स्तर पर हर माह जेजेएम के कार्यों की प्रगति की समीक्षा और मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों के फील्ड में जाकर जेजेएम के कार्यों की मॉनिटरिंग पर जोर दिया।

पीएम-एसवाईएम योजना में श्रमिकों के पंजीयन का लक्ष्य शीघ्र हासिल किया जाएः मुख्य सचिव उषा शर्मा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना (पीएम-एसवाईएम) में प्रदेश के लिए निर्धारित श्रमिकों के पंजीयन के लक्ष्य को शीघ्र हासिल किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी इस दिशा में प्रभावी कार्य योजना के साथ काम करें, ताकि प्रदेश के श्रमिकों को इस योजना का पूरा लाभ मिल सके। मुख्य सचिव शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर, संबंधित विभागों के सचिव एवं श्रम विभाग के अधिकारी बेहतर समन्वय के साथ इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि योजना का समुचित प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि कचरा बीनने वाले, फेरी लगाने वाले, बोझा ढोने वाले, ईंट भट्ठा पर काम करने वाले श्रमिक, मोची, धोबी, रिक्शा चालक, बीडी श्रमिक, निर्माण श्रमिक, हाथ करघा श्रमिक जैसे असंगठित क्षेत्र के लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी मिल सके और वे इस योजना में पंजीयन कराकर इसका लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि विभागीय उच्चाधिकारी योजना के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग भी करें।

श्रम आयुक्त अंतर सिंह नेहरा ने योजना के संबंध में प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि अब तक प्रदेश में एक लाख से अधिक श्रमिकों का योजना के तहत पंजीयन किया जा चुका है।

देवर्षि नारद जयंती-पत्रकार सम्मान समारोह 16 को

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर होंगे मुख्य वक्ता

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विश्व संवाद केन्द्र की ओर से देवर्षि नारद जयंती और प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन, 16 मई, अपरान्ह 3 बजे से नारद सभागार, पाथेयकण संस्थान, मालवीय नगर में होगा। समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अखिल भारतीय, प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर होंगे। वरिष्ठतम पत्रकार प्रवीणचंद्र छाबड़ा मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेईसीआरसी विश्वविद्यालय के वाइस चेयरमैन अमित अग्रवाल करेंगे।

विश्व संवाद केन्द्र के सचिव डॉ. ईश्वर बैरागी ने बताया कि प्रदेश स्तरीय नारद सम्मान के लिए उन सभी पत्रकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं, जो राजस्थान में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक चैनल, वेब पोर्टल, सोशल मीडिया, फोटो या कार्टून के माध्यम से पत्रकारिता करते हुए राष्ट्रीयता,

सामाजिक जीवन, समरसता या पर्यावरण जैसे विषयों को प्रभावी रूप से उठाते रहे हैं। कार्यक्रम में पत्रकार, पत्रकारिता के छात्र और प्राध्यापक और गणमान्य नागरिक सम्मिलित होंगे।

उल्लेखनीय है कि पत्रकार जगत में महर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है। हिंदी पंचांग के अनुसार, साल के तीसरे महिने ज्येष्ठ के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को नारद जन्म हुआ था। पूरे भारत नारद जयंती को पत्रकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व संवाद केन्द्र की ओर से इस दिन पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पत्रकारों को 'नारद सम्मान' से सम्मानित किया जाता है। विश्व संवाद केन्द्र जयपुर ने 2011 में इसकी शुरुआत की। 2019 में पिछला कार्यक्रम हुआ था। कोरोना के चलते 2020-21 में कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो सका।

बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा

धौलपुर (हिलव्यू समाचार)। धौलपुर बाड़ी विधुत विभाग के एईइन के साथ मारपीट के मामले में बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को गुरुवार को धौलपुर में एससी एसटी कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट ने उनको 15 दिन न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए कोर्ट में पेश करने से पहले विधायक की कोरोना जांच कराई गई, जिसमें कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. ऐसे में उनको अस्पताल में अलग वार्ड में रखा जाएगा. इससे एक दिन पहले विधायक मलिंगा जयपुर में मुख्यमंत्री समेत कई मंत्रियों, विधायकों और पुलिस अधिकारियों के संपर्क में आए थे।

बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मालिंगा के सरेंडर करने के बाद बुधवार शाम को सीआईडी सीबी उन्हें धौलपुर लेकर आई और रात को धौलपुर सदर थाने में विधायक की गिरफ्तारी दिखाई गई. सीआईडी सीबी के एडिशनल एसपी सुरेश जैफ ने गुरुवार सुबह विधायक को एससी एसटी कोर्ट में पेश किया. कोर्ट में पेश करने से पहले सीआईडी सीबी की टीम विधायक को लेकर बाडी पावरहाउस पहुंची, जहां घटनास्थल का मौका मुआयना कराने के बाद सीआईडी सीबी की टीम ने जिला अस्पताल पहुंचकर विधायक का मेडिकल कराया. मेडिकल कराने के बाद सीआईडी सीबी की टीम विधायक को लेकर धौलपुर के एससी एसटी कोर्ट पहुंची।

जयपुर में इंटरनेशनल जैम ज्वेलरी शो का शुभारंभ

48 देशों के प्रतिनिधि कर रहे हैं शिरकत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जैम एण्ड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल की ओर से सीतापुरा के जेईसीसी में पहले इंटरनेशनल जैम एण्ड ज्वेलरी शो का शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में वर्ल्ड के 48 देशों के 8000 से ज्यादा बायर्स और 500 से ज्यादा एक्जीबिटर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर कौंसिल के चेयरमैन कॉलिन शाह ने इस इवेंट की जानकारी देते हुए बताया कि इस शो का मकसद स्थानीय जैम एण्ड ज्वेलरी निर्माताओं को एक्सपोर्ट के लाभ और उससे जुड़ने के बारे में जानकारी देना है। वर्तमान में इस कौंसिल के 8000 सदस्यों में से केवल 2500 सदस्य ही एक्सपोर्ट कर पा रहे हैं, इसका कारण है उन्हें एक्सपोर्ट के बारे में जानकारी का अभाव होना है। उन्होंने कहा कि जैम एण्ड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल भारत को जैम हब बनाने के लिए कोशिश है और आशा है कि इस दिशा में जल्द ही जयपुराइट्स को यह सौगात मिल सकेगी और घरेलू निर्माताओं के लिए काफी लाभकारी होगा। इस अवसर पर श्री आर. अरूलानन्दन, डायरेक्टर, वाणिज्य विभाग भारत सरकार, श्री दिलीप शाह संयोजक इंटरनेशनल एक्जीबिशन जीजेईपीसी, रीजनल चेयरमैन निर्मल बरडिया, कलर जैम स्टोन पैनल के संयोजक श्री विजय केडिया और जीजेईपीसी, के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री सब्यसाची रे भी उपस्थित रहे। श्री शाह ने कोरोना के पहले दौर मे इस उद्योग को काफी नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन विगत छह माह में हालात सामान्य है। उन्होंने बताया कि भारत की जीडीपी में जैम एण्ड ज्वेलरी इंडस्ट्रीज का योगदान 7 से 10 प्रतिशत है वहीं यह सेक्टर 5 मिलियन लोगों को रोजगार उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व के कुल 400 बिलियन एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत योगदान दे रहा है, वर्तमान में अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक है जो विश्व के कुल निर्यात का 50 प्रतिशत माना जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि गत वितीय वर्ष में जैम एण्ड ज्वेलरी उद्योग में 56 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 39.15 बिलियन डॉलर करीब 3 लाख करोड़ रुपए का जैम एण्ड ज्वेलरी एक्सपोर्ट किया वित्त वर्ष 2021 में भारत ने कुल 25.40 बिलियन डॉलर का निर्यात किया था।

भारत के सकल निर्यात में जैम एण्ड ज्वेलरी का बड़ा योगदान होता है। देश की कुल जीडीपी में जैम ज्वेलरी उद्योग का 10 प्रतिशत योगदान,भारत को जैम हब बनाने की पुरजोर कोशिश की जाएगी. मार्च में जैम एण्ड ज्वेलरी का कुल एक्पोर्ट 4.33 प्रतिशत से बढ़ कर 3.39 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले फाइनेनशियल इयर की समान अवधि के 3.40 बिलियन डॉलर के मुकाबले 0.46 प्रतिशत कम है। शाह ने बताया कि वैश्विक बजार में भारत का निर्यात 54 प्रतिशत बढ़ गया है।यह पूछे जाने पर कि जयपुर कलर्ड स्टोन कटिंग में श्रेष्ठ माना जात है इसे प्रमोट करने की दिशा मे यह कौंसिल क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए इस सेक्टर को मार्केटिंग पर ध्यान देना चाहिए साथ ही सरकार को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए।

कांग्रेस के चिंतन शिविर में खलल डालेंगे मनरेगा कर्मचारी

संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों-अधिकारियों को नियमित करने की मांग को लेकर करेंगे कूच

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में महात्मा गांधी नरेगा कार्यक्रम के तहत संविदा पर लगे विभिन्न कर्मचारी-अधिकारी उदयपुर में 14 मई से होने वाले कांग्रेस शिविर में खलल डाल सकते है। इन कर्मचारियों के संगठन ने इस चिंतन शिविर में प्रदर्शन करने और वहां धरना देने का निर्णय किया है। अपने को नियमित करने की मांग और राजस्थान संविदा नियम 2022 में संशोधन की मांग को लेकर ये कर्मचारी संगठन पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के सभी जिला और ब्लॉक मुख्यालयों पर आंदोलन कर रहा है।

महात्मा गांधी नरेगा कार्मिक संघ राजस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन से जुड़े सभी कर्मचारी 14 मई को उदयपुर में होने वाले कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में महापड़ाव करेंगे। इसके बाद महापड़ाव जयपुर कूच करेगा और यहां शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन धरना देगा। इसके बाद भी अगर हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई तो हम सभी 31 मई को सामूहिक इस्तीफे मुख्यमंत्री को सौपेंगे।

4 मई से कर रखा है कार्य बहिष्कार: संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि राजस्थान के प्रत्येक ब्लॉक पर नरेगा के सभी कैडर के संविदा कर्मचारियों ने अपने नियमितिकरण की मांग को लेकर 4 मई से कार्य बहिष्कार कर रखा हैं। सरकार या उनके प्रतिनिधियों को कई बार ज्ञापन दे चुके है, लेकिन उसके बावजूद सरकार हमारी कोई सुनवाई नहीं कर रही। वहीं दूसरी तरफ कार्य बहिष्कार के कारण ग्रामीण अंचलों में नरेगा के काम भी प्रभावित होने लग गए है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा वाले) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com